सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 47 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 30 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

ओटीपी के जरिए जालसाजी करने वालों पर लगाम, एक दिसंबर से होंगे यह बदलाव

ट्राई ने दूरसंचार कंपनियों से संदेश ट्रेसबिलिटी प्रदान करने कहा

नईदिल्ली ए.। 1 दिसंबर 2024 से भारत में कई क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले बदलाव होने वाले हैं। इनमें फर्जी ओटीपी को रोकने के लिए संशोधन, मालदीव पर्यटन के नियमों में बदलाव और कुछ बैंकों की ओर से अपने क्रेडिट कार्ड मानदंडों को अपडेट करना शामिल है। नियमन और यूजर्स की सुरक्षा में सुधार के उद्देश्य से ये बदलाव होने हैं।

संदिग्ध ओटीपी पर अंकुश लगाने और स्कैमर्स से लोगों को होने वाले बड़े वित्तीय नुकसान से बचाने के लिए भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार कंपनियों से संदेश ट्रेसबिलिटी प्रदान करने के लिए कहा है। इसके तहत दूरसंचार कंपनियों को सभी संदेशों के स्रोत का पता लगाने के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता है। इसकी शुरुआती समय सीमा 31 अक्तूबर थी, लेकिन सेवा ऑपरेटरों की मांग के बाद, ट्राई ने इसे 30 नवंबर तक बढ़ा दिया। कुछ रिपोर्टों ने दावा किया कि इससे ग्राहकों को ओटीपी प्राप्त करने में देरी हो सकती है, लेकिन ट्राई ने एक्स पर एक पोस्ट में ऐसे अफवाहों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है।

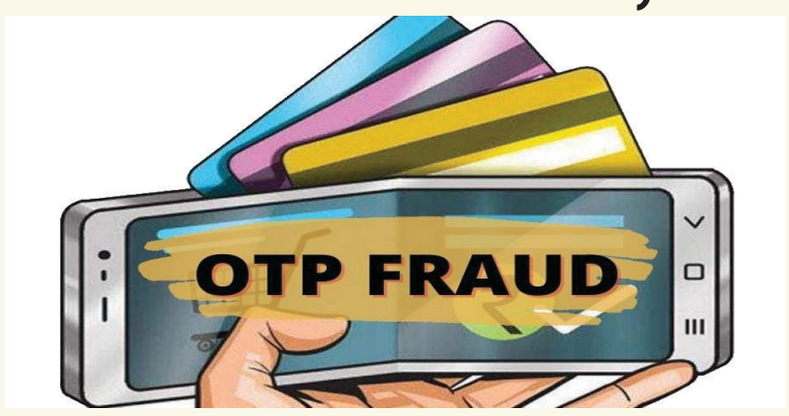

मालदीव में पर्यटन से जुड़े नियमों में होगा बदलाव

मालदीव जो भारतीयों के लिए सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है, द्वीपसमूह की यात्रा करने वाले पर्यटकों से लिए जाने वाले शुल्क में वृद्धि कर रहा है। इकोनॉमी-क्लास के यात्रियों के लिए, शुल्क2,532 रुपये से बढ़कर 4,220 रुपये हो जाएगा, जबकि बिजनेस-क्लास के यात्रियों के लिए शुल्क 5,064 रुपये से बढ़कर 10,129 रुपये हो जाएगा। प्रथम श्रेणी के यात्रियों को 7,597 रुपये से बढ़कर 20,257 रुपये का भुगतान करना होगा, और निजी जेट यात्रियों को 10,129 रुपये से बढ़कर 40,515 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा।

गैस सिलेंडर की कीमत

गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव की उम्मीद हर महीने की जाती है क्योंकि तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमत में संशोधन करती हैं। अक्तूबर में, गैस कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 48 रुपए की बढ़ोतरी की, जबकि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया।

खास-खबर

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री सोमन्ना ने की सीएम साय से मुलाकात, बोले- 2027 तक एयरपोर्ट की तर्ज पर बनेगा रायपुर रेलवे स्टेशन

रायपुर। केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान शाम को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास में पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री सोमन्ना का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह व शॉल भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना से राज्य में रेल परियोजनाओं के विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद वे रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि साल 2027 तक रायपुर रेलवे स्टेशन के नए मॉडल स्टेशन का निर्माण हो जाएगा। इसे लेकर रेलवे के अधिकारी तीव्र गति से कार्य कराएंगे। छत्तीसगढ़ में मॉडल रेलवे स्टेशनों के विकास को लेकर रेलवे सक्रिय है। इसके तहत दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर के रेलवे स्टेशन को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। एयरपोर्ट के तर्ज पर नई रेलवे स्टेशनों के निर्माण कार्य किए जाएंगे। चर्चा के बाद वो रेलवे बोगी सैलून में बैठकर कोरबा के लिये रवाना हो गए।

रायपुर में देर रात शरारती तत्वों ने लाइन से खड़ी आठ गाड़ियों को किया आग के हवाले

रायपुर। राजधानी रायपुर में शरारती तत्वों ने रात के समय में आठ गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। अज्ञात लोगों ने आठ खाड़ी बाइक पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी। पूरा मामला आरडीए कॉलोनी बोरियाखुर्द की है, जहां बीती रात अज्ञात लोगों ने एक के बाद एक आठ गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, आगजनी में सात दोपहिया और एक ऑटोरिक्शा जलकर खाक हो गए। आग लगने से सभी गाड़ियां ब्लास्ट होने लगी। आवाज सुनकर कॉलोनी के लोग उठे और घटना स्थल पहुंचकर देखे। इस दौरान लगभग चार परिवारों के छह दोपहिया वाहन और एक ऑटो आग की चपेट में आ गया। वहीं इस मामले में पीड़ित संतोष सिन्हा, डॉ. राजेंद्र साहू और नितिन सिंह ने मामले की शिकायत टिकरापारा थाना में की है। उनका आरोप है कि इस घटना को साज़िश के तहत अंजाम दिया गया है।

महाराष्ट्र में सीएम पर सस्पेंस खत्म, फडणवीस होंगे सीएम, गृह व वित्त मंत्रालय पर फंसा पेंच

5 दिसबंर को होगा शपथ! सीएम के साथ एक-एक डिप्टी सीएम भी लेंगे शपथ

मुंबई ए.। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आए 7 दिन बीत चुके हैं। भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित पवार गुट यानी महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीतीं हैं। मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस खत्म होने की बात सामने आई है लेकिन अब गृह व वित्त को लेकर बात नहीं बन पाई है। कार्यकारी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सीएम पद भाजपा को देने पर सहमत हो गए हैं। संघ से हरी झंडी मिलने के बाद सीएम पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम फाइनल है। शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को दोपहर 1 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। शिवसेना और एनसीपी की ओर से एक-एक डिप्टी सीएएम भी शपथ लेंगे।

बताया जा रहा है कि शाह से चर्चा के बाद भी विभागों को लेकर गठबंधन में खींचतान मची हुई है। भाजपा गृह, राजस्व, उच्च शिक्षा, कानून, ऊर्जा, ग्रामीण विकास अपने पास रखना चाहती है। उन्होंने शिवसेना को हेल्थ, शहरी विकास, सार्वजनिक कार्य, उद्योग ऑफर किया है। वहीं एनसीपी अजित गुट को वित्त, योजना, सहयोग, कृषि जैसे विभाग देने की पेशकश की है। लेकिन शिवसेना गृह व वित्त मंत्रालय अपने पास रखना चाहती हैं। 29 नवंबर को शिंदे दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुंबई लौटे और सभी कार्यक्रम रद्द कर अपने गांव सातारा निकल गए। शनिवार शाम वे बड़ा फैसला ले सकते हैं।

गृह और वित्त मंत्रालय पर दोनों में नहीं बन रही बात

शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास ही गृह मंत्रालय था। वो इस मंत्रालय को छोड़ना नहीं चाहते हैं। वहीं शिंदे गुट का तर्क है कि अगर डिप्टी सीएम का पद हमें मिल रहा है तो गृह मंत्रालय भी उन्हें ही मिलना चाहिए। शाह के साथ बैठक में भी इसका हल नहीं निकल पाया। माना जा रहा है कि इस विवाद के चलते शाह की बैठक में कैबिनेट गठन पर कोई समाधान नहीं निकल सका। एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि बीजेपी गृह मंत्री का पद कभी हाथ से नहीं जाने देगी।

कार्यकारी सीएम शिंदे शाम तक लेंगे बड़ा फैसला

इस बीच शिवसेना विधायक संजय शिरसाट ने कहा- शिंदे को जब भी कोई बड़ा फैसला लेना होता है तो वे अपने पैतृक गांव चले जाते हैं। वे आज शाम तक कोई बड़ा फैसला ले लेंगे। इससे पहले शिरसाट ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि शिंदे डिप्टी ष्टरू का पद स्वीकार करेंगे। शिवसेना के कुछ नेताओं का कहना है कि महायुति को इतनी बड़ी जीत शिंदे की अगुआई में मिली, इसलिए बिहार की तर्ज पर उन्हें मुख्यमंत्री होना चाहिए। बिहार में जदयू की कम सीटें हैं फिर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं।

एक दिसंबर को हो सकती है महायुति की बैठक

बताया जा रहा है कि 1 दिसंबर को महायुति की बैठक हो सकती है। इसके लिए भाजपा के 2 ऑब्जर्वर्स मुंबई आएंगे। इनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की मीटिंग होगी और मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा। बताया जा रहा है कि 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या में मदद करने वाला आरक्षक बर्खास्त

सूरजपुर एसपी प्रशांत ठाकुर ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। सूरजपुर में प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्याकांड के मुख्य आरोपी जिला बदर कुलदीप साहू को मदद पहुंचाने के आरोप में आरक्षक प्रदीप साहू को बर्खास्त किया गया है। आईजी अंकित गर्ग के आदेश पर कोरिया की एडिशनल एसपी मोनिका ठाकुर और बलरामपुर एसडीओपी इमानुएल लकड़ा ने पूरे मामले की जांच की थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी सूरजपुर प्रशांत ठाकुर ने बर्खास्त किया।

13 अक्टूबर की रात सूरजपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और बेटी की बेरहमी से हत्या सूरजपुर के बाजार पर निवासी कबाड़ी कुलदीप साहू ने कर दी थी। कुलदीप साहू जिलाबदर था। इसके बावजूद जिले में प्रवेश पर पुलिस ने जब कार्यवाही करनी चाही तब आरक्षक पर पर खौलता तेल फेंक कर कुलदीप साहू फरार हो गया था। फरारी के दौरान कोतवाली थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और बेटी की घर घुसकर तलवार से बेरहमी से हत्या कर दी। 14 अक्टूबर को मां बेटी का सब मिलने के बाद पुलिस कुलदीप साहू की तलाश कर रही थी। कुलदीप साहू को बलरामपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर सूरजपुर पुलिस को सौंपा था।

मामले में यह जानकारी सामने आई कि कोतवाली थाने में पदस्थ आरक्षक प्रदीप साहू ने आरोपी कुलदीप साहू की अप्रत्यक्ष तौर पर मदद की थी। डबल मर्डर के सह आरोपी सूरज साहू की गिरफ्तारी के बाद उसके परिचितों के संपर्क में आरक्षक प्रदीप साहू रहा था। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद एसपी ने कार्रवाई की।

तूफान फेंजल का असर : छत्तीसगढ़ के 13 जिलों में तेज बारिश की चेतावनी, 2 दिसंबर तक कई जिलों में बारिश

मौसम विभाग ने कहा-तीन दिन 4 डिग्री तक चढ़ेगा रात का पारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात फेंजल का असर छत्तीसगढ़ में भी दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड से थाड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को रात के तापमान में बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं शनिवार का दिन भी अपेक्षाकृत गरम रहा। इस बीच मौसम विभाग ने 2 दिसंबर तक 13 जिलों में बारिश की चेतावनी है। बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोन 'फेंजल' के असर से प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से माध्यम बारिश हो सकती है। सबसे ज्यादा असर सरगुजा और बस्तर संभाग में पड़ सकता है।

अगले तीन दिन न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। जिससे रात में

ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। बता दें कि साइक्लोन 'फेंजल' दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है, जिसके असर से ऐसी स्थिति बन रही है। आज इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। दोपहर तक तूफान उत्तरी तमिलनाडु तट को पार कर सकता है।

सरगुजा संभाग में ठंड ने तोड़ा 37 साल का रिकॉर्ड

सरगुजा संभाग में इस साल कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड ने 37 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया गया है। मैनपाट में रात का पारा 4.8 डिग्री तक पहुंच गया है। सामरी पाट में भी कड़ाके की ठंड से लोगों को दिन में गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। सरगुजा में न्यूनतम तापमान 7? डिग्री रिकॉर्ड किया गया है।

प्रदेश में 11 नवंबर से पड़ रही है अच्छी ठंड

प्रदेश में पिछले 18 दिनों से अच्छी ठंड पड़ रही है। 10 नवंबर तक उत्तरी छत्तीसगढ़ समेत पूरे प्रदेश में रात का तापमान सामान्य से एक से दो डिग्री तक अधिक था। 11 नवंबर से अंबिकापुर और पेंड्रारोड में पहली बार तापमान सामान्य से आधा डिग्री नीचे आया। एक-दो दिनों के भीतर ही शुष्क हवा के असर से पूरे सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। रायपुर के आउटर क्षेत्र यानी माना एयरपोर्ट समेत बिलासपुर, अंबिकापुर, पेंड्रारोड, जगदलपुर और मैदानी इलाके में शामिल दुर्ग में रात का तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री तक गिर गया।

फोन खरीदने आई दो लड़कियों ने दुकानदार को उलझाकर पार कर दिए दो मोबाइल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मोबाइल खरीदने पहुंची 2 लड़कियां दुकान संचालक को उलझाकर 2 महंगे मोबाइल लेकर 15 सेकंड में भाग निकली। वारदात का ष्टष्टझ्वङ्क फुटेज भी सामने आया है, जिसमें वह अपनी सहेली के साथ भागती हुई नजर आ रही है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

पहले युवती मोबाइल शॉप में अकेली गई। उसकी सहेली बाहर स्कूटी पर ही बैठी रही। जैसे ही दुकान के अंदर से मोबाइल लेकर युवती निकली, स्कूटी स्टार्ट कर दोनों फरार हो गईं। दुकान संचालक महिला और कर्मचारी युवती को बाहर निकलकर देखते रह गए।

दुकान संचालक के मुताबिक तिफरा ओवरब्रिज के पास अजीज मोबाइल शॉप हैं। बीते गुरुवार को

एक युवती मोबाइल खरीदने के बहाने दुकान पहुंची। उस समय दुकान में संचालक शाहिदा परवीन और कर्मचारी मौजूद थे। युवती मोबाइल के अलग-अलग मॉडल देख रही थी। इसी बीच चालाकी से युवती ने दो महंगे मोबाइल चोरी कर ली। मोबाइल फाइनेंस कराने की बात कहकर संचालक और कर्मचारी को अपनी बातों में उलझाए रखी। बातचीत के दौरान युवती ने संचालक का ध्यान भटकाया और मौका पाकर दोनों मोबाइल लेकर फरार हो गई। घटना इतनी तेजी से घटी कि संचालक को कुछ समझने का मौका ही नहीं मिला। फिर तत्काल इस घटना की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान दुकान सहित आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। इसमें युवतियां मोबाइल लेकर भागती दिखीं। पुलिस को शक है कि दोनों युवतियों ने पहले दुकान की रेकी की होगी, जिसके बाद उन्होंने दुकान को निशाना बनाया होगा।

माता प्रसाद पांडेय को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट, धरने पर बैठे कार्यकर्ता

हिंसा के बाद सपा का प्रतिनिधि मंडल संभल जाना चाहता था

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार की सुबह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के घर के बाहर पुलिस लगा दी है। साथ ही विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के डालीबाग स्थित आवास के बाहर भी पुलिस तैनात है। सपा के डेलिगेशन को संभल जाना था। इससे पहले ही नेताओं के घरों के बाहर पुलिस बन तैनात कर दिया गया है।

संभल जाने से रोकने पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठ गए हैं। इसमें विधायक रविदास मल्होत्रा भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संभल के लोगों को इंसाफ दो। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से जांच कराई

जाए। मृतक परिवार के लोगों को एक करोड़ रुपए मुआवजे के तौर पर दिए जाएं। लाल बिहारी यादव ने बताया कि पुलिस ने हमें संभल के डीएम का एक पत्र दिया है। इसमें कहा गया है कि 10 दिसंबर तक संभल में प्रवेश निषेध है। इसके अलावा सपा अध्यक्ष श्यामलाल पाल के घर के बाहर भी पुलिस लगा दी गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के सेक्टर-11 वृंदावन योजना स्थित आवास के बाहर रात से ही पुलिस तैनात कर दी गई थी। अभी पुलिस बाहर तैनात है। पुलिस ने उन्हें संभल के डीएम का एक लेटर उपलब्ध कराया है। डीएम द्वारा जारी इस लेटर में कहा गया है कि 10 दिसंबर तक बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन, या फिर जनप्रतिनिधि का जिले की सीमा में प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि हमें कोई लिखित नोटिस तो दिया नहीं है। सिर्फ ऐसे ही बात करते हैं। बस घर के बाहर पुलिस लगा दी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अन्य सभी लोग जा रहे हैं। लेकिन, हमारे जाने से अशांति पैदा हो जाएगी। यह सरकार अपने कार्यों पर पर्दा जालने के लिए जानबूझकर यह कर रही है।

संपादकीय

एकनाथ शिंदे ने साबित किया वह उध्दव ठाकरे से बेहतर नेता

जिंदगी हो, राजनीति हो आदमी को एक मौका खुद को बेहतर साबित करने जरूर देती है। जो इस मौके महत्व को समझ जाते हैं, वह मौके का पूरा फायदा उठाकर खुद को एक बेहतर आदमी,बेहतर नेता साबित करके दिखाते हैं। जो मौके के महत्व को समझते नहीं है, वह मौके का फायदा नहीं उठा पाते है, उसे गवां देते है और खुद को बेहतर आदमी या नेता साबित नहीं कर पाते हैं। महाराष्ट्र का राजनीति में उध्दव ठाकरे को भी मौका मिला और एकनाथ शिंदे को मौका मिला। एक ने खुद को बेहतर साबित किया और एक खुद को बेहतर साबित नहीं कर पाया।

उध्दव ठाकरे एक बड़े राजनीतिक घराने से आने के कारण खुद को सबसे बड़ा और बाकी लोगों को छोटा समझते थे। वह सोचते थे कि हमसे बड़ा कोई कैसे हो सकता है, हमारी पार्टी से बड़ा कोई कैसे हो सकता है।वह चाहते थे कि वह जैसा चाहें वैसा भाजपा करे।वह चुनाव के बाद कह दें कि सीएम शिवसेना का बनना चाहिए तो भाजपा को शिवसेना का बनाने के लिए खुशी खुशी राजी हो जाना था।उध्दव यह नहीं सोचे पाए कि भाजपा के साथ रहने से शिवसेना सत्ता में भी रहेगी और मजबूत भी रहेगी। उन्होंने यही सोचा कि उनको सीएम बनना है, भाजपा इसके लिए राजी नहीं हुई क्योंकि सीएम संबंधी कोई बात चुनाव के पहले भाजपा व शिवसेना में हुई नहीं थी।उध्दव को सीएम बनना था,भाजपा बनाने को तैयार नहीं हुई तो वह कांग्रेस व एनसीपी के पास चले गए। सीएम बनना था,उध्दव सीएम बन गए लेकिन वह यह भूल गए कि जिस दिन इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा उस दिन उनकी स्थिति क्या होगी।

> ***उध्दव को मौका मिला तो उसका उपयोग उन्होंने सीएम बनने के लिए किया। एकनाथ शिंदे को मौका मिला तो उन्होंने भी मौके का इस्तेमाल सीएम बनने के लिए किया। उन्होंने भाजपा पर कोई दवाब नहीं डाला सीएम बनाने के लिए लेकिन भाजपा उध्दव को सबक सिखाना चाहती थी इसलिए उसने एकनाथ शिंदे जैसे मामूली शिवसेना कार्यकर्ता को सीएम बनाया और उसे उध्दव से बड़ा नेता महाराष्ट्र में बनाकर दिखा दिया है। शिंदे भी मोदी की तरह एक सामान्य घर के थे, इसलिए वह सीएम बने तो भी कभी सीएम जैसा रुतबा नहीं दिखाया, उन्होंने एक शिवसेना के कार्यकर्ता के रूप में काम किया और उध्दव से बेहतर काम करके दिखाया। कहने को तो उध्दव भी ढाई साल सीएम रहे लेकिन वह अपने ढाई साल में कुछ खास नहीं कर सके। पाया सीएम पद जरूर लेकिन पार्टी गंवा दी, पार्टी की विचारधारा गवां दी, बाला साहेब जैसा चाहते थे, उसके विपरीत काम किया। वह शिंदे को गाली देते रहे लेकिन एकनाथ शिंदे ने कभी उनको गाली नहीं दी। यह होता एक परिवारवादी नेता और सामान्य परिवार से आने वाले नेता का संस्कार।***

उध्दव भाजपा के साथ थे तो शिवसेना नंबर दो की पार्टी थी आज वह चुनाव बुरी तरह हारकर सीटों के हिसाब से चौथे नंबर की पार्टी रह गई है। यानी भाजपा का साथ छोड़ने से उध्दव ठाकरे को नुकसान हुआ है, ऐसा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई वह लंबे समय तक नहीं कर पाएंगे। एकनाथ शिंदे व अजीत पवार के भाजपा के साथ आने से उनको फायदा हुआ है। शिंदे की पार्टी दूसरे नंबर की पार्टी है। अजीत पवार की पार्टी तीसरे नंबर की पार्टी है। एकनाथ शिंदे व उध्दव ठाकरे में एक बड़ा फर्क अहंकार भी है। एकनाथ शिंदे ढाई साल सीएम रहे, उनकी पार्टी ने ज्यादा सीटें जीती हैं लेकिन उन्होंने भाजपा के सामने खुद को बड़ा नेता बताने की कोशिश नहीं की। क्योंकि वह जानते हैं कि वह भाजपा के कारण बड़े नेता है और आने वाले दिनों में और बड़ा नेता बन सकते हैं। उध्दव ने भाजपा के सामने बड़ा नेता बनने की कोशिश की और राज्य के छोटे नेता रह गए हैं।

एकनाथ शिंदे हकीकत को स्वीकार करने वाले नेता है, उनको पता है कि भाजपा की ज्यादा सीटें आई हैं, इसलिए हर लिहाज से सीएम तो भाजपा का बनना चाहिए। अजीत पवार पहले ही इसके लिए सहमति दे चुके थे, शिंदे ने भी भाजपा को बता दिया की वह सीएम की रेस में नहीं है, भाजपा जिसको सीएम बनाना चाहे बना सकती है। गठबंधन में रहने पर गठबंधन की हकीकत को समझना पड़ता है,अपनी स्थिति का पता रहना चाहिए, इससे गठबंधन मजबूत होता है। अजीत पवार व एकनाथ शिंदे के फैसले के बाद भाजपा के सीएम बनने का रास्ता साफहो गया है।

सीएम तो भाजपा का बनना था, लेकिन भाजपा चाहती थी सीएम का फैसला भाजपा का फैसला न लगे, सीएम का फैसला महायुति का फैसला लगे। अब जो भी महाराष्ट्र का सीएम बनेगा लगेगा का महायुति का सीएम है। देवेंद्र फ्डणवीस,एकनाथ शिंदे,अजीत पवार ने देश के गठबंधनों के सामने मिसाल पेश की है कि गठबंधन के दलों को कैसे गठबंधन में रहना चाहिए,कैसे एक दूसरे के फैसले का सम्मान करना चाहिए। कैसे एक दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

नजरिया

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफकी रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफचिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे।

ललित गर्ग

उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफहै, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

ओवर स्पीडिंग पर नियंत्रण से थमेंगे हादसे

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारत में हर दिन औसतन 400 लोग सड़क दुर्घटनाओं में काल के गाल में समा जाते हैं। इनमें से औसतन 42 बालक होते हैं और 31 किशोर। कई, समय पर चिकित्सा सुविधा न मिल पाने के कारण घटनास्थल पर ही दम तोड़ देते हैं। मौतों के आंकड़ों को कम करने व दुर्घटनाओं को घटाने और एक जिम्मेदार नीति बनाने के लिए देश में कई आयोग बन चुके हैं, लेकिन फिर भी कुछ खास होता दिख नहीं रहा है। इनकी रिपोर्ट धूल खाती दिख रही है। इस दुखद और भयावह स्थिति को राष्ट्रीय महत्व देकर इसके समाधान का युद्धस्तरीय प्रयास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है।

इस तरह के हादसों के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से पहला और सबसे बड़ा कारण है तयशुदा रफ्तार से कहीं ज्यादा रफ्तार से वाहन चलाना। इससे न केवल अपनी जान को खतरा होता है, बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में पड़ जाती है। लापरवाही सबसे बड़ा कारण है। एक गलती अपने अलावा दूसरों पर भी भारी पड़ सकती है। वाहन सही ढंग से न चलाने के अलावा हेल्मेट न पहनना मौत का कारण बनता है। देश में दुर्घटनाओं में मरने वालों में बिना हेल्मेट के चालकों की संख्या सबसे ज्यादा है। मशीनों का फेल हो जाना या टूटी-फूटी सड़कों का होना भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संस्था यूनिसेफ के एक एक्सपर्ट के अनुसार बहुत सारी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है जैसे कानून का पालन करना तथा दोपहिया वाहन चालकों द्वारा नियमित रूप से हेल्मेट पहनना। अगर वाहन चालक निर्धारित गति से वाहन चलाता है, तो वह दुर्घटनाओं की चपेट में नहीं आता है। ओवर स्पीडिंग जान ले सकती है। दोपहिया सवारों के मामले में यह अक्सर देखा जाता है। यूनिसेफ के मुताबिक, देश में दुर्घटनाओं की संख्या में 10 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो रही है, जो चिंताजनक है।

डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञों के अनुसार भारत की सड़कों पर 30 तरह के वाहन चलते हैं और सभी का अपना तरीका है, और यह सड़कों पर भ्रम पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में इतने लोगों का बेवजह मरना दुखद तो है, लेकिन इनसे जुड़े विश्वसनीय आंकड़े न होने से ठोस समाधान की दिशा में काम करना मुश्किल है। इस दिशा में कई आयोगों का गठन हुआ ताकि इस दिशा में काम हो सके, लेकिन सरकारों की ओर से कोई खास प्रगति नहीं हुई। ओवर स्पीडिंग के मसले को गंभीरता से देखा जाना चाहिए और उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

दरअसल, आज के नौजवान आवेग में आकर काम करते हैं और वाहन तेज रफ्तार से चलाना उन्हें रोमांचित करता है। देश में सबसे ज्यादा लोग ओवर स्पीडिंग के कारण ही मरते हैं, और दुर्घटनाओं में मरने वालों के 72 प्रतिशत के लिए यही जिम्मेदार है। वाहन चालक ट्रैफिक पुलिस की यह चेतावनी भूल जाते हैं— 'स्पीड थ्रिल्स बट किल्स'। हमारा यही रवैया देश को दुनिया के नक्शे में दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में सबसे ऊंचे नंबर पर पहुंचाने के लिए जिम्मेदार है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि थोड़ी-सी सावधानियां, जैसे गति सीमा का पालन करना, सीटबेल्ट पहनना और हेल्मेट का सही इस्तेमाल करना, कई जिंदगियों को बचा सकती हैं।

दुनिया भर में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूएचओ ने एक दशक की योजना के अंतर्गत कई तरह की सिफारिशें की हैं। इसके तहत भारत सरकार ने भी 2030 तक देश में दुर्घटनाओं की संख्या को 50 प्रतिशत तक घटाने की मंशा रखी है। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी देशों ने दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों पर काफी हद तक काबू पा लिया है। भारत में दुनिया के कुल 1 प्रतिशत वाहन हैं, जबकि दुर्घटनाओं में उसकी हिस्सेदारी 11 प्रतिशत की है।

भारत में कम उम्र के बच्चों और किशोरों की जान अक्सर खतरे में पड़ जाती है। इसमें गलती दोनों पक्षों की होती है, लेकिन एक पीढ़ी समय से पहले ही खत्म हो जाती है। बच्चे और महिलाएं सड़क पार करते वक्त तेज रफ्तार वाहनों के चपेट में आ जाते हैं। इसके लिए वाहन चालकों के साथ-साथ दोपहिया चालकों को भी शिक्षित करने की जरूरत है। गति सीमा से ऊपर वाहन चलाने वालों के लिए हालांकि कठोर आर्थिक दंड है, लेकिन चालक बाज नहीं आते। देश में सिर्फगति पर नियंत्रण रखने से ही बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं से मुक्ति मिल सकती है। देश में 15 तरह के विभाग हैं जो सड़क सुरक्षा की दिशा में देखते और काम करते हैं, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिल पाई है।

यहां पर रोड सेफ्टी पर बजट की बात भी उठती है। इसके लिए विभिन्न राज्यों में कोई निश्चित बजट नहीं है और न ही कोई योजनाबद्ध तरीके से उसका आवंटन है। हर विभाग के अपने-अपने बजट हैं, जो वे इस पर खर्च करते हैं, जिससे कोई प्रभावी कदम नहीं उठ पाते हैं। अभी बहुत सारे एंबुलेंस और अस्पताल चाहिए ताकि दुर्घटनाओं में घायल को सही समय पर इलाज मिल सके।

कुछ राज्यों ने इस दिशा में मुहिम चलाकर इस दिशा में सफलता पाई है। इसमें तेलंगाना और गुजरात ने कई तरह के प्रयोग किए हैं, जिससे मृत्यु दर में कमी भी आई है। तेलंगाना ने इस दिशा में पहल करते हुए पिछले साल 74 लोगों को मरने से बचाया। उन्होंने इसके लिए बच्चों को ट्रैफिक ट्रेनिंग देने जैसे काम किए, जिनका दूरगामी असर पड़ेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में एक और पेच पड़ने का अंदेशा

मोहम्मद युनूस ने शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने का इरादा जताया है। बांग्लादेश में शेख हसीना के हटने के बाद से युनूस की अंतरिम सरकार ने पहले भी कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिन्हें भारत के हित में नहीं माना जा सकता। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (जिनके हाथ में वास्तविक सत्ता है) मोहम्मद युनूस की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने की ताजा घोषणा से भारत-बांग्लादेश रिश्तों में एक और पेच पडने का अंदेशा है। युनूस ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरा होने के मौके पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि उनकी सरकार भारत से हसीना को वापस भेजने को कहेगी, ताकि जुलाई-अगस्त के छात्र आंदोलन में हुई मौतों के लिए उनकी जवाबदेही तय की जा सके। बांग्लादेश यह मांग औपचारिक रूप से सामने रखता है, तो भारत के लिए एक बड़ा असमंजस पैदा होगा। वैसे भी बांग्लादेश में शेख हसीना के हटने के बाद से कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन्हें भारत के हित में नहीं माना जा सकता।

अभी पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान का एक मालवाहक पोत कराची से चल कर बांग्लादेश के दक्षिणपूर्वी तट पर स्थित चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा। 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के बाद से दोनों देशों में पहली बार सीधा समुद्री संपर्क हुआ है। इससे पहले दोनों देशों के बीच समुद्री व्यापार सिंगापुर या कोलंबो के ज़रिए होता था। खुद बांग्लादेश ने इस घटना को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण कदम की शुरुआत बताया है। कहा है कि इस रूट पर समुद्री संपर्क बनना दोनों देश के बीच सप्लाई चेन को आसान बनाएगा, परिवहन के समय में कमी आएगी और आपसी व्यवसाय के लिए नए अवसरों के दरवाजे खुलेंगे।

यह निर्विवाद है कि यह सीधा समुद्री संपर्क पाकिस्तान और बांग्लादेश के राजनयिक रिश्तों में एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। इसके पहले खबर आई थी कि दोनों देश एक परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत पाकिस्तान परमाणु बिजली संयंत्र लगाने में बांग्लादेश की मदद करेगा। स्पष्टत: युनूस की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान से रिश्तों में गर्माहट लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यह घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का पहलू है। आम संबंधों के साथ दोनों देशों के उग्रवादी तत्वों के बीच संपर्क बनना भी आसान हो सकता है। लेकिन इस मामले में भारत कुछ कर सकने की स्थिति में नहीं दिखता।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

कोटपा एक्ट के तहत तम्बाखू व धुम्रपान बिक्री पर की कार्यवाही

दुर्ग। जिले में तम्बाखू एवं अन्य मादक पदार्थों के उपयोग के नियंत्रण एवं धुम्रपान से होने वाले दुष्प्रभाव की रोकथाम हेतु संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर के आदेशानुसार तथा कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग दुर्ग, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कोटपा एक्ट 2003 के तहत् चालानी कार्यवाही की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय दानी ने बताया कि झाड़ूराम देवांगन शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल, जिला चिकित्सालय दुर्ग एवं बस स्टैण्ड दुर्ग के आसपास पान दुकानों पर तम्बाखू, सिगरेट की बिक्री पर चालानी कार्यवाही की गई है। धारा 4 के तहत् सार्वजनिक स्थान में धुम्रपान प्रतिबंधित है। कोटपा एक्ट की धारा 6 के तहत् स्कूल के 100 मीटर की दायरे में तम्बाखू उत्पाद बेचना प्रतिबंधित है। 18 वर्ष के कम उम्र के बच्चों को धुम्रपान एवं अन्य तम्बाखू उत्पाद बेचना भी प्रतिबंधित है। तम्बाखू उत्पादों का सेवन करते पाए जाने पर समझाईश देने के साथ-साथ नो स्मोकिंग व नाबालिग बच्चों द्वारा तम्बाखू उत्पादों पर खरीदी बिक्री पर प्रतिबंध का बोर्ड लगाते हुए कुल 15 चालानी कार्यवाही की गई। जिसमें कुल 3200 रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र में यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा संरचनाओं का निरीक्षण और सुधार कार्य

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यांत्रिकी सेवा विभाग के तहत, उपकरण निर्माण और संरचनात्मक निरीक्षण अनुभाग पूरे संयंत्र में तकनीकी संरचनाओं के स्वास्थ्य की निगरानी करता है। यह तकनीकी इस्पात संरचनाओं, कन्वेयर गैलरी, गैस पाइपलाइन, टैंक, वॉकवे, डक्ट आदि का नियमित निरीक्षण करता है और उपचारात्मक उपाय सुझाता है। संयंत्र के सौंदर्य में सुधार लाने और महत्वपूर्ण संरचनाओं के जीवन को बढ़ाने के लिए महाप्रबंधक आशीष घोष और उपप्रबंधक महेश कुमार गुहा के मार्गदर्शन में यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा एक व्यापक अनुबंध संचालित किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी असित साहा और तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक एस के गजभिये के नेतृत्व में लगभग 7 लाख वर्ग मीटर की तकनीकी संरचनाओं के सभी ऊंचाई और गहराई को कवर करते हुए 19 विभागों में संक्षारण रोधी पेंट किया गया है। यह कार्य गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए किया गया है। यांत्रिकी सेवा विभाग ने स्टील चिमनी निरीक्षण का काम भी किया और संयंत्र के विभिन्न विभागों की 22 चिमनीयों को संक्षारण रोधी पेंट किया, जिससे उनकी सेवा अवधि में काफी सुधार हुआ। तकनीकी संरचनाओं, कन्वेयर गैलरी और महत्वपूर्ण गैस पाइपलाइनों की व्यापक पेंटिंग की योजना बनाई गई है। नियमित निरीक्षण, उपचारात्मक उपाय सुझाने और पेंटिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण संरचनाओं के स्वास्थ्य को बहाल करने के लिए यांत्रिकी सेवा विभाग कटिबद्ध है तथा यह एक सतत प्रक्रिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्माणाधीन मकानों का औचक निरीक्षण करने पहुंचे आयुक्त, दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत नगर निगम भिलाई के विभिन्न हाउसिंग क्षेत्रों में मकान का निर्माण किया जा रहा है। जिनमें मोर मकान-मोर आस, मोर मकान-मोर चिन्हारी एवं बीएलसी मोर जमीन-मोर मकान मकानों में हो रहे निर्माण का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान संबंधित एजेंसी चंद्रनिर्मल प्राईवेट लिमिटेड एवं गोयल ट्रेडर्स जिसे मकान निर्माण का काम दिया गया है, उनको निर्माण कार्य समय अवधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य करने हेतु निर्देशित किये।

साथ ही कहा कि रोड़, नाली, पानी, बिजली की व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ विद्युत विभाग से कार्यपालन अभियंता नवीन राठी भी वहां उपस्थित थे, उनको मकान निर्माण के दौरान विद्युत व्यवस्था मार्च में ही पूर्ण करने के बारे में आयुक्त से चर्चा हुई। तो उनको द्वारा बताया गया कि सीएसईबी निविदा प्रक्रिया में विलम्ब होने के कारण ट्रांसफार्मर नहीं लग पाया, जिससे विद्युत व्यवस्था की प्रतिपूर्ति नहीं हो पाई, जिसे शीध्र पूर्ण करने को कहा। कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा एवं एजेंसी के अभियंता को निर्देशित किये कि समय-

समय पर आकर कार्यो का निरीक्षण करें। जैसे-जैसे मकानो का निर्माण पुरा होते जाए, हम लॉटरी के माध्यम से उसको आबंटित करते जाएगें। प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की अति महत्वकांक्षी योजना है। इसको समय अवधि में पूर्ण करना है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जावेगी। कुछ मकान जो पूर्व में आबंटित हो चुके है, वहां पर निवासरत हितग्राहियो से जानकारी प्राप्त किये। वहां पर रहने पर किसी प्रकार की असुविधा या परेशानी तो नहीं हो रही है। हितग्राही भगवंतीन द्वारा बताया गया कि उन्हे मकान में रहकर बहुत अच्छा लग रहा है मैं बालकनी से खड़े होकर बाहर देखती हुँ, तो बहुत अच्छा लगता है। कभी नहीं सोची थी कि मेरे मकान में भी बालकनी, शौचालय, बाथरूम, किचन होगा। आयुक्त ने सभी से सफाई व्यवस्था बनाये रखने, अपने घरो से निकलने वाली सूखे एवं गीले कचरे को अलग-अलग देने कहा। भ्रमण के दौरान जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, सीएलटीसी उत्पल ठाकुर, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

अपने घर से बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाना शुरू करें-मितानिन बहने

भिलाई। 70 प्लस वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य नगर निगम भिलाई क्षेत्र में निरंतर चल रहा है। अभी तक 900 से अधिक 70 प्लस के बुजुर्ग व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इसको और गति देने के लिए नगर निगम भिलाई की सभागार में मितानिन बहने, ट्रेनर एवं मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर की गई की ट्रेनिंग आयोजित की गई। उन्हें बताया गया कैसे हम मोबाइल के माध्यम से रजिस्टर्ड करने के बाद हितग्राहियों को घर घर जाकर आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। 70 प्लस आयुष्मान कार्ड सभी वर्ग के लोगों का बन रहा है, इसमें ?500000 तक का नेशनल चिकित्सा बीमा प्रदान किया जाता है। आयुष्मान कार्ड द्वारा शासन द्वारा निर्धारित प्रमुख अस्पतालों में निशुल्क इलाज करवाया जा सकता है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा आवाहन किया गया, कि सबसे पहले अपने घर के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाना शुरू करें। फिर उसके बाद अपने अड़ोस-पड़ोस, मोहल्ले के घर.घर जाएं आयुष्मान कार्ड बनाएं, हमारे नगर निगम में 26000 से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाना है, इसमें शीघ्रता लाना है। निर्धारित अवधि के अंदर हम सब अपने लक्ष्य को पाना है।

बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 में क्रिएटिविटी पर आधारित सत्र का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10, भिलाई में 28 नवम्बर 2024 को ''क्रिएटिविटी'' पर आधारित एक अनूठा सत्र आयोजित किया गया था। इस रोचक सत्र को पूर्व निदेशक (पी एंड ए), शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एस पी एस जग्गी ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की महाप्रबंधक शिखा दुबे, प्रधानाचार्य सुमिता सरकार, शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

श्री जग्गी ने सहयोग, सतर्कता और जिज्ञासा जैसे सृजनात्मकता के सिद्धांतों को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को समझाया और उन्हें रोचक

गतिविधियों में शामिल किया। श्री जग्गी ने सृजनात्मकता के विभिन्न चरणों - तैयारी, अन्वेषण, सत्यापन, इन्क्यूबेशन और उत्सव पर भी जोर दिया। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया और युवा छात्रों में उभरते विभिन्न दृष्टिकोणों को सराहा। कक्षा नवमी से बारहवीं तक के तीस छात्रों ने इस सत्र में भाग लिया, जिन्हें छह टीमों में बांटा गया। इन टीमों को अपना नाम रखने को कहा गया, और इन टीमों - वेद, वायु, ब्रेनस्टॉर्मर्स, ड्रीमरर्स, बोल्ट व एक्सपैंडर्स ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर कुछ नया सृजनात्मक सोचने की कोशिश की। इस सत्र ने छात्रों को अपनी सृजनात्मक क्षमता को समझने और नवाचार एवं सृजनात्मकता के बारे में गहरी समझ विकसित करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया।

यह सत्र छात्रों के लिए इनोवेटिंव प्रॉब्लम सॉल्विंग टेक्निक से परिचित होने का एक अनूठा अवसर साबित हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन सिसिली दिनकर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कक्षा बारहवीं ळ की छात्रा चिन्मयी मुखर्जी ने किया।

स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में महात्मा फुले का योगदान अतुलनीयः डॉ. उदय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बुद्ध भूमि कोसा नगर में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर 28 नवंबर की शाम बुद्ध भूमि में स्थापित प्रतिमा के समक्ष उनके सामाजिक कार्यों को याद कर श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित लोगों ने महात्मा फुले की प्रतिमा पर मोमबत्ती-अगरबत्ती जलाकर माल्यार्पण किया गया।

इस दौरान महात्मा फुले के शिक्षा स्वास्थ्य और स्वच्छता तथा समाज कल्याण के कार्यों को याद किया गया और इन्हें अपने जीवन में शामिल करने का प्रण लिया गया। आयोजन में समाजसेवी डॉ. उदय धाबर्डे ने कहा कि महात्मा फुले समाज को कुप्रथा, अंधश्रद्धा की जाल से समाज को मुक्त करना चाहते थे। अपना सम्पूर्ण जीवन उन्होंने स्त्रियों को शिक्षा प्रदान कराने में, स्त्रियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में व्यतीत किया। महात्मा फुले ने कन्याओं के लिए भारत देश की पहली पाठशाला पुणे में बनाई। उन्होंने कहा कि स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में महात्मा फुले का योगदान अतुलनीय है।

समारोह में बौद्ध कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शेन्डे, उपाध्यक्ष रंजू खोबरागड़े, महिला उपाध्यक्ष माया सुखदेवे तथा कार्यकारिणी सदस्य प्रीतेश पाटील ने ज्योतिबा की पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

एसएसबी द्वारा आयोजित आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का पहला जत्था रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 16 वाँ आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत दिनांक 28 नवंबर 2024 को जिला कांकेर, छत्तीसगढ़ के अति दुर्गम एवम् नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से 20 आदिवासी युवा लड़के एवं 20 युवा लड़कियों के पहले जत्थे को रायपुर रेलवे स्टेशन से बैंगलोर (कर्नाटक) के लिए रवाना किया गया।

सीमा सुरक्षा बल के 02 पुरूष सुरक्षा अधिकारी और 02 महिला सुरक्षा अधिकारी भी इनके साथ रवाना हुए। ये जत्था बैंगलोर में भारत के विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर अन्य राज्यों की संस्कृति

से रूबरू होगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी युवक एवं युवतियों को उनके उज्ज्वल भविष्य तथा अधिकार के बारे में उचित व उपयुक्त जानकारी प्रदान की जायेगी, साथ ही साथ अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक-युवतियों के बीच मेल-मिलाप बढ़ेगा, जिससे वे एक-दूसरे के खान-पान, रहन-सहन, सांस्कृतिक गतिविधियाँ एवं वेशभूषा से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम में सभी राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। साथ ही बैंगलोर के प्रसिद्ध, दर्शनीय एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

माई भारत , नई दिल्ली एवं गृह मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में 16 वाँ आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की अवधि 07 दिन है। छत्तीसगढ के कांकेर और नारायणपुर जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के नक्सल प्रभावित इलाके से इस वर्ष कुल 13 भ्रमण कार्यक्रमों के अतंर्गत 18 से 22 वर्ष आयु वर्ग के 500 चयनित युवा भाग ले रहे है। इस आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियों में संवैधानिक अधिकारियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ संवाद सत्र, पैनल चर्चा, व्याख्यान सत्र, भाषण प्रतियोगिता, कैरियर संबंधी मार्गदर्शन, चल रहे खेल आयोजनों के बारे में जानना शामिल है।

इसके अलावा प्रतिभागी बैंगलोर के उद्योगो एवं सुरक्षा बलों के कैम्पो का भ्रमण करेंगे। इस कार्यक्रम के पहले जत्थे को बैंगलोर रवाना करते हुए आनंद प्रताप सिंह, भा0पु0से0, महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल सीमांत मुख्यालय छत्तीसगढ़ ने बधाई व शुभकामनाएँ दी।

प्रदेश के सैकड़ों दिव्यांग बच्चे भिलाई में भरेंगे हौसलों की 'उड़ान'

भिलाई निवास के सामने मैदान में जीई फाउंडेशन का वार्षिक दिव्यांग खेल मेला 8 दिसंबर रविवार को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक संस्था गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन की ओर से दिव्यांग बच्चों के लिए वार्षिक खेल मेला 'उड़ान' का आयोजन 8 दिसंबर रविवार को सुबह 10 बजे से भिलाई निवास के सामने स्थित दिव्यांग खेल मैदान में किया गया है। जिसमें खेल के साथ-साथ ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिताओं में दिव्यांग बच्चे हिस्सा लेंगे।

फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि इस बार आयोजन और भी भव्य होगा और अब तक छत्तीसगढ़ के 11 से ज्यादा स्कूलों ने सहभागिता के लिए स्वीकृति दे दी। जहां के 500 से ज्यादा

दिव्यांग बच्चे इस खेल मेले में भाग लेंगे। वहीं आयोजन स्थल पर पहुंचने वाले बच्चों को भी ऑन द स्पॉट पंजीयन कर खेल व ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। प्रतियोगिता में दुर्ग, भिलाई के अलावा राजनांदगांव, रायपुर और धमतरी से भी बच्चे भाग लेंगे।

उन्होंने बताया इस अवसर पर सभी दिव्यांग बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए सम्मान किया जाएगा, वहीं इन बच्चों के विकास में अपना योगदान देने वाले स्कूलों के टीचर एवं स्टाफ को भी सम्मानित किया जाएगा। वहीं ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता में हर श्रेणी से 5 बच्चों की पेंटिंग चयनित कर उन्हें अलग से पुरस्कृत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आयोजन में छत्तीसगढ़ शासन-प्रशासन, भिलाई इस्पात संयंत्र,सशस्त्र सीमा बल,सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल,दुर्ग जिला एवं पुलिस प्रशासन,समाज कल्याण विभाग,समग्र शिक्षा अभियान, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड और आयकर विभाग सहित विभिन्न विभागों के तमाम वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल होंगे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

तेजज्ञान फाउंडेशन का रजत जयंती ध्यान महोत्सव 1 को

रायपुर। 'हैप्पी थॉट्स' के नाम से पहचानी जाने वाली तेजज्ञान ग्लोबल फाउंडेशन संस्था एक दिसंबर को छत्तीसगढ़ी अग्रवाल भवन, पुरानी बस्ती में रजत जयंती ध्यान महोत्सव का आयोजन करने जा रही है। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के प्रदेश प्रमुख संजीव गुप्ता एवं सिंधी पंचायत के अध्यक्ष महेश दरयानी उपस्थित रहेंगे।

तेजज्ञान फाउंडेशन के परमेश्वर पटेल, ज्ञान साहू और सुषमा पटेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि तेजज्ञान फाउंडेशन के संस्थापक 'सरश्री' ने ध्यान और आध्यात्मिकता के महत्व को समझाकर लाखों लोगों के जीवन में आनंद और शांति का संचार किया है। तेजज्ञान फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह महोत्सव ध्यान के माध्यम से विश्व में शांति और आनंद का प्रसार करने के उद्देश्य को एक नई दिशा देगा। इस महोत्सव में भाग लेने के लिए फाउंडेशन ने सभी साधकों, ध्यान प्रेमियों और नागरिकों को शामिल होने की अपील की है ताकि वे अपने जीवन में ध्यान की शक्ति को महसूस कर और शांति और आनंद की दिशा में एक कदम आगे बढ़ सकें।

कृषक उन्नति योजनाः किसान की तरक्की के खुले द्वार, बच्चों की शिक्षा और भविष्य होने लगी सुरक्षित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के किसानों की तरक्की की राहें आसान हुई है। आरंग ब्लॉक के अमोदी गांव के निवासी करण मानिकपुरी कृषक परिवार से है। वे बताते हैं कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार में किसानों को आर्थिक मजबूती मिल रही है और किसानों की तरक्की भी बहुत हो रही है। श्री मानिकपुरी बताते हैं कि कृषक उन्नति योजना के तहत राशि मिलने से बच्चों की भविष्य की चिंताएं दूर हो गई है। बच्चों को अच्छे स्कूल में अच्छी शिक्षा दे रहे है। साथ ही बच्चों को घर से स्कूल तक आने-जाने के लिए वाहन की सुविधा भी शुरू कराई है। बच्चों के भविष्य के लिए एलआईसी भी कराया गया है। इससे भविष्य उनका सुरक्षित हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार 3100 रूपए प्रति क्विंटल में धान खरीद रही है। इससे खेती को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है और फसल को सुरक्षित करने के लिए खेत में फेंसिंग भी जल्द करा सकेंगे। वे यह भी बताते हैं कि आने वाले समय में कृषक उन्नति योजना के तहत राशि मिलने पर खेत में बोर कराकर अधिक फसल का उत्पाद कर सकेंगे। आगे बताते हैं कि धान खरीदी केंद्र में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। टोकन की सुविधा भी आसान हुई है। इससे हम जैसे किसानों को बहुत ही फायदा मिल रहा है। इसके लिए श्री मानिकपुरी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया।

दिव्यांग ने कॉल सेंटर में साइन लैग्वेज से दर्ज कराई समस्या, बना निवास प्रमाण पत्र

रायपुर। जोन 5 वार्ड क्रमांक 67 चंगोराभाठा निवासी सोमनाथ साहू ने निवास प्रमाण पत्र नहीं बनने को लेकर शिकायत की थी। वे मूक बधिर है, उन्होनें साइन लैग्वेज में अपनी शिकायत दर्ज कराई। बता दें कि जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में ऐसे लोगों की शिकायत के लिए साइन लैग्वेज वाले ट्रांसलेटर को पदस्थ किया गया है। लेकिन इसके बाद भी उनका निवास प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है। जिसके बाद वे कलेक्टोरेट के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में गए। जिसके बाद तत्काल निवास प्रमाण पत्र बनाकर जारी कर दिया गया।

युवाओं की मनः स्थिति व शिक्षकों की भूमिका पर संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक एवम दिशा कॉलेज रायपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित युवाओं की मनः स्थिति और शिक्षकों की भूमिका पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ इस संगोष्ठी में प्रमुख वक्ता के तौर पर आईपीएस अकैडमी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर राम शर्मा शामिल हुए वहीं आयोजन में दिशा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल तिवारी एवं महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी की विशेष उपस्थिति रही आयोजन में उन्होंने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में सभी लोगों को यह प्रयास करनी चाहिए की प्राम्भ से ही समाधान की तरफ बढ़े और सफलता का हिस्सा बन सके क्योंकि वास्तविकता, झूठ पर भारी होती है।

उनका कहना था कि यह संसार ऐसे गुरुओं से भरा पड़ा है जिनसे प्रेरणा लेकर युवाए प्रेरित हो सकते है राम शर्मा ने कहा कि प्रेम, पैसा और भोजन का अपना महत्व है और तीनों एक दूसरे के पूरक है। उन्होने चाणक्य नीति के सूत्रों को भी बखूबी व्याख्यान में प्रस्तुत किया और धर्म और कर्म के यथार्थ को चित्रित करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने क्रिकेटर यशस्वी जयसवाल, ऋषभ पंत, धावक हुसैन बोल्ट फुटबॉल खिलाड़ी, जेनेदिक जिदान, गौतम ऋषि, दंतेवाड़ा जिला दंडाधिकारी जयंत नाहटा, भिलाई के राजेश पटेल के संघर्षों की कहानी को व्यख्या की और बताया कि किस तरह से उपरोक्त सभी दिग्गज लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहे हैं और सफलता हासिल की है इसीलिए यह कहना गलत नहीं है की प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती उन्होंने कहा की वैल्यू से चिपका हुआ युवा ही असल युवा है।

हर सफलता पर एक विचार मौजूद होता है जिसे आत्मसात करना चाहिए क्योंकि संघर्ष से ही निखरने की प्रक्रिया आरंभ होती है तप कर ही सोना बना जा सकता है। शिक्षको पर केंद्रित करते हुए प्रोफेसर राम शर्मा ने कहा शिक्षक मर्यादित भूमिका में रहे तो बेहतर होगा जजमेंटल होना जरूरी नहीं है। शिक्षक विद्यार्थियों को संस्कारों से बांधे रखें तो आने वाला समय सुखद और उज्जवल होगा जो युवा धैर्य नहीं छोड़ता है, वे अपनी जड़ से जमे हुए रहता है एवं सफलता को प्राप्त करता है आयोजन में दिशा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल तिवारी ने भी उद्बोधन रखें और स्मार्ट की व्याख्या की। बिना विचार के आगे बढ़ाना कठिन होता है विद्यार्थी को श्रावक होना चाहिए श्रोता नहीं होना चाहिए तभी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने भी आयोजन के उद्देश्यों को स्पष्ट किया और विषय पर बातचीत रखी और कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास तभी सम्भव है जब वे अध्ययन के अतिरिक्त अन्य सभी पाठ्येत्तर कार्यक्रमो में हिस्सा ले कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्रो प्रीतम दास ने किया और मंच संचालन डॉ जया चंद्रा की ओर से किए गए। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवम भारी संख्या में छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

छत्तीसगढ़ में पहली बार पाईप लाईन से पहुंचेगी रसोई गैस, निगम ने बनाया प्लान

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने गेल इंडिया लिमिटेड व हरियाणा गैस एजेंसी के अधिकारियों से की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र राजधानी शहर में लोककल्याणार्थ अनेक विविध अभिनव पहल कर योजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन जारी है, इसके माध्यम से नगरवासियों को विष्णु के सुशासन का सकारात्मक लाभ दिया जाना स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा है।

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के दिशा निर्देश अनुरूप नगर पालिक निगम रायपुर की पहल पर भारत सरकार के उपक्रम गेल इंडिया लिमिटेड एवं रायपुर शहर हेतु अधिकृत हरियाणा गैस एजेंसी के माध्यम से रायपुर शहरवासियों को अगले वर्ष 2025 के दौरान प्राकृतिक गैस की पाईप लाईन के माध्यम से आपूर्ति की सुविधा घरों में कनेक्शन के माध्यम से वाहनों में सीएनजी स्टेशन के माध्यम से, औद्योगिक क्षेत्रों में शीघ्र दिये जाने की तैयारी तेज गति से जारी है।

रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने भारत सरकार के उपक्रम गेल इंडिया लिमिटेड के उपमहाप्रबंधक निर्माण जे.के. पाण्डेय एवं रायपुर में प्राकृतिक

गैस की आपूर्ति घरों में किये जाने डिस्ट्रीब्युशन लाईन बिछाने अधिकृत हरियाणा गैस एजेंसी के प्रबंधक राकेश रंजन, नगर निगम रायपुर के अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता अंषुल शर्मा की उपस्थिति में इस संबंध में चर्चा कर संबंधित अधिकारियों से योजना की आवश्यक जानकारी ली । आयुक्त को गेल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों ने जानकारी दी कि मुंबई नागपुर झारसुगुडा प्राकृतिक गैस पाईप लाईन से रायपुर शहर क्षेत्र में घरों के लिए प्राकृतिक गैस आपूर्ति एवं शहर क्षेत्र में सीएनजी स्टेशन के माध्यम से वाहनों में प्राकृतिक ईंधन आपूर्ति की अभिनव योजना पर कार्य निरंतर प्रगति पर है।

वर्ष 2025 के दौरान रायपुर शहर में प्राकृतिक गैस पाईप लाईन आपूर्ति से संबंधित योजना का व्यवहारिक क्रियान्वयन शासन के निर्देशानुसार करने की योजना है। इस योजना के राजधानी शहर रायपुर में क्रियान्वयन से शहर में प्रदूषण नियंत्रण का कार्य और अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा एवं वायु गुणवत्ता में इससे शहर में सुधार क्रियान्वयन के माध्यम से दृष्टिगोचर हो सकेगा। इसके माध्यम से राजधानी शहर में पर्यावरण संरक्षण का कार्य प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा। जानकारी दी गई कि वर्ष 2025 के दौरान भारत सरकार के उपक्रम गेल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से बिछाई जा रही मुख्य प्राकृतिक गैस पाईप लाईन से वितरक लाईन रायपुर शहर क्षेत्र में इस हेतु अधिकृत हरियाणा गैस एजेंसी के माध्यम से बिछाकर लगभग 1 लाख घरों में सीएनजी गैस आपूर्ति हेतु पाईप लाईन बिछाकर कनेक्शन देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इस हेतु प्राकृतिक गैस आपूर्ति पाईप लाईन बिछाकर घरों में की जायेगी एवं शहर में वाहनों में प्राकृतिक ईंधन आपूर्ति हेतु सीएनजी स्टेशन खोले जायेंगे। औद्योगिक क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस आपूर्ति करने का कार्य वर्ष 2025 के दौरान किये जाने की योजना पर कार्य प्रगति पर है। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को शासन की लोक कल्याणकारी योजना का क्रियान्वयन का कार्य प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

NSUI ने की विलंब शुल्क माफ करने की मांग, कुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। NSUI ने की विलंब शुल्क माफ करने की मांग, कुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जिला NSUI के प्रतिनिधिमंडल ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलसचिव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्रों को सेमेस्टर परीक्षा के ऑनलाइन फॉर्म भरने में हो रही तकनीकी समस्याओं के कारण विलंब शुल्क माफकरने की मांग की गई।

NSUI का कहना है कि विश्वविद्यालय के ऑनलाइन पोर्टल में बार-बार आ रही तकनीकी खामियों की वजह से कई छात्र समय पर फॉर्म नहीं भर सके। इसके चलते छात्रों को अनावश्यक रूप से विलंब शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। NSUIने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया कि तकनीकी समस्याओं को देखते हुए विलंब शुल्क को तत्काल प्रभाव से माफकिया जाए।

NSUI जिला उपाध्यक्ष तारिक अनवर खान ने कहा, यह छात्रों की गलती नहीं है कि पोर्टल सही ढंग से काम नहीं कर रहा। विश्वविद्यालय को इस समस्या की जिम्मेदारी लेते हुए छात्रों को राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोकने के लिए ऑनलाइन प्रणाली को अधिक सुदृढ़ और सुगम बनाया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश सचिव अतिक मेमन, जिला महासचिव संस्कार पांडेय, वरुण चावड़ा, आशीष बाजपाई उपस्थित रहे।

एमआईसी सदस्य ने शिविर में सुनीं जनसमस्याएं

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अध्यक्ष सुन्दर लाल जोगी ने नगर निगम रायपुर के दानवीर भामाशाह वार्ड नम्बर 26 मिनी माता चौक सामुदायिक भवन के पास तुंहर पार्षद तुंहर दुवारी शिविर लगाकर सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाईट, निराश्रित पेंशन, राशन कार्ड, परिवार सहायता से सम्बंधित जनसमस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना एवं सम्बंधित निगम अधिकारियों को वार्डवासियों की समस्याओं का शीघ्र नियमानुकूल निदान जनहित में प्राथमिकता से करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया। इस दौरान एमआईसी सदस्य जोगी ने वार्ड के निवासियों को नए राशन कार्ड वितरित किये, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, काटने की कार्यवाही हेतु आवेदन जमा करवाये, निराश्रित पेंशन एवं परिवार सहायता योजना से सम्बंधित आवेदन जमा करवाये।

कलेक्टर सिंह के निर्देश पर निरंतर हो रही कार्रवाई

नगर निगम के नियमों का उल्लंघन करने वाले अब ई-चालान के दायरे में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिका निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 से ई-चालान सिस्टम का विद्यिवत शुरूआत किया गया। शहर में गंदगी फैलाने वाले लोगों और निर्माण कार्य के नियमों के उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जाती रही है। यह चालानी कार्यवाही दुकानदारों, होटल, रेस्टोरेंट, बाजारों में गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों, कचरा को एकत्रित न कर इधर-उधर फेंकने वालों, गिला-सूखा कचरा अलग-अलग न करने वालों, खाली भूखंडों में कचरा फेंकने और उसे जलाने वालों, खुले स्थान पर शौच और पेशाब करने वालों पर नगर निगम के स्वास्थ विभाग द्वारा जुर्माना लगाया जाता रहा है। इसके साथ-साथ कंस्ट्रक्शन वेस्ट (C&D) फैलाने, मकान निर्माण के दौरान सड़क पर निर्माण सामग्री रखने वालों, निर्माण में नियमों का उल्लंघन करने वालों तथा ग्रीन नेट न लगाने वालों पर नियमानुसार चालान की कार्यवाही निगम की नगर निवेश विभाग द्वारा जुर्माना लगाया जाता था। नगर निगम के इस चलानी कार्यवाही में मौके पर भुगतान राशि को किसी कारण से न भुगतान कर पाने की स्थिति अथवा संपत्तिधारक के अनुपस्थिति में चलानी कार्यवाही में बाधा आती थी जिससे कई बार कार्यवाही को रोकना भी पड़ जाता था।

ऑनलाइन ई-चालान सिस्टम में न केवल नगर निवेश और स्वास्थ्य की टीम बल्कि निगम के सभी कर्मचारी अधिकारी को जोड़ा गया है जो कहीं और कभी भी इन नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर ही चालानी कार्यवाही कर

सकते हैं। इसके लिए निगम के अधिकारी और कर्मचारियों को ई-चालान सिस्टम हेतु तैयार मोबाइल एप्लीकेशन में खुद का रजिस्ट्रेशन करना होगा। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर फोटो लेकर, स्थल का जियो टैगिंग करते हुए ई-चालान की कार्रवाई करेंगे। इसके साथ ही जुर्माने राशि की गणना नियमानुसार सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा। इस दौरान मौके पर भुगतान की सुविधा नागरिकों को दी जाएगी। नागरिक पॉस मशीन से कैश अथवा यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन चालान का भुगतान कर सकते हैं। यदि भुगतान मौके पर नहीं किया जाता है तो संबंधित संपत्ति के आईडी पर बकाया के रूप में चालान की राशि ऑनलाइन एसएमएस और ईमेल के माध्यम से भेजी जाएगी। ऑनलाइन चालान में चालान की राशि का ब्यौरा और पेमेंट लिंक दर्ज रहेगा। ई-चालान सिस्टम के द्वारा अधिरोपित जुर्माना राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर भविष्य में उस जुर्माना राशि को बकाए के साथ जोड़ा जा सकता है। चार्ट बॉट के माध्यम से भी बकाया की जानकारी संपत्ति धारक को भेजी जाएगी और नियमानुसार बकाये की वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिका निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 से ई-चालान सिस्टम को लॉन्च करते हुए कुल 6 चालानी कार्यवाही की गई जिसमे से 2 गन्दगी फैलाने वालों से एवं 4 भवन निर्माण सामग्री रखने वालों एवं निर्माण में नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कुल 16,100 रुपये जुर्माने की राशि अधिरोपित की गई एवं मौके पर ही 7100 रुपये जुर्माने की राशि पॉस मशीन के द्वारा डिजिटल पेमेंट के रूप में प्राप्त किया गया।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ चलाया जन जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जन्म व मृत्यु शास्वत सत्य है, और इनके बीच की जीवनशैली में समय समय पर बदलाव होते रहना चाहिए। हमारे जीवन में सामाजिक रीतिरिवाजों का महत्वपूर्ण स्थान है। सामाजिक जीवन में मृत्यु उपरांत अनेक रीतिरिवाज प्रचलित हैं। कालान्तर के रिवाजों में अनेक ने वर्तमान समय में कुरीतियों का रूप धारण कर लिया है, जिनमें बदलाव जरूरी है।

जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने कहा कि मृतक के अंतिम संस्कार उपरांत अनेक प्रचलित रीति रिवाज़ हैं जो की बोझिल और आज के समय में अप्रासंगिक हैं, जैसे 13 दिन की शोक बैठक, लम्बे शांतिमिलन, सिखबाड़ी व मृत्यु भोज इत्यादि। अनेक शोकाकुल परिवारों, रिश्तेदारों व परिचितों समाजजनों से जैन संवेदना ट्रस्ट ने विस्तृत चर्चा व विचारविमर्श कर गाईड लाईन जारी की है।

कोचर व चोपड़ा ने आगे बताया कि शान्ति मिलन हेतु समय सीमा 48 मिनट निर्धारित की गई है। वर्तमान में देखा गया है कि शोक सभा में अनेक प्रचलित गीत, बच्चों की अभिव्यक्ति और श्रद्धांजलि वक्तव्यों व टोपी बदलने के रिवाज में कुल मिलाकर लगभग 2 से 2.30 घंटे का समय लग रहा है। और ज्यादातर शान्ति मिलन के कार्यक्रम प्रातः 10.30 बजे होते हैं जोकि व्यवसाय का महत्वपूर्ण समय होता है। व्यवसायिक व श्रम समय के नुकसान, सर्व समाज की सुविधा व समय की उपयोगिता के मद्देनजर शांतिमिलन शोकसभा को दोपहर 3 से 3.48 बजे तक करने का निर्णय लिया गया है। शांतिमिलन में मृतक का संक्षिप्त जीवन परिचय, लघु शांति स्तोत्र, मंगल पाठ व परिजन द्वारा आभार ही होगा। सभी प्रकार के शोक गीतों, बच्चों की अभिव्यक्ति पर रोक लगाई गई है। टोपी पल्ला बदलना आदि सामाजिक रिवाज श्रद्धांजलि पश्चात पारिवारिक लोगों के मध्य अथवा निवास पर किया जावेगा। पुष्प की पंखुड़ियों के बदले मोटे अनाज यथा अक्षत, बाजरा आदि से श्रद्धांजलि अर्पित की जावेगी, जिसका उपयोग पक्षियों के आहार रूप में किया जा सके। शोक मिलन के अवसर पर परिवार द्वारा सीख मिठाई व अन्य सामग्री का थैला देना प्रतिबंधित किया गया है। केवल घर की बेटियों को दिया जा सकता है।

अंतिम संस्कार पश्चात केवल 2-3 दिन ही निवास पर शोक बैठक रखने का निर्णय लिया गया है। सूतक क्रिया विधि परिवार के मध्य उचित समयानुसार की जा सकती है। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि मृत्यु उपरांत होने वाले क्रियाकांडों के सभी पहलुओं पर समाज में अनेक लोगों से विचारविमर्श किया गया लोगों ने जैन संवेदना ट्रस्ट के मुहिम की सराहना की व सकारात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की है।

सोफिया अंसारी ने शेयर किया सेक्सी वीडियो

व्हाइट रेड बिकनी में दिखाया हॉट अवतार

सोफिया अंसारी आए दिन फोटोशूट करवाती हैं और फिर सोशल मीडिया अकाउंट से अपने ग्लैमरस पिक्चर्स शेयर करती रहती हैं। सोफिया अंसारी का बोल्ड अंदाज देखकर उनके फैंस आहें भरते हैं। उन्होंने एक बार फिर रिवीलिंग ड्रेस पहनकर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है।

सोफिया अंसारी के फोटोज शेयर करते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस उनको बार-बार निहारने पर मजबूर हो रहे हैं। इसके साथ ही उनके तमाम चाहने वाले फैंस रिएक्शन दे रहे हैं।

सोफिया अंसारी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपना हॉट सेक्सी वीडियो शेयर किया है। इस सेक्सी वीडियो में वे बेहद हॉट अंदाज में नजर आई हैं। साथ ही वह एक अंग्रेजी गाने में लिप्सिंग कर रही है। सोफिया अंसारी रेड व्हाइट बिकनी में अपनी अदाओं का जलवा फैंस को दिखा रही हैं।

सर्दियां शुरू होते ही आपको भी होने लगी है ड्राइनेस की दिक्कत?

ये घरेलू नुस्खे आएंगे काम

मौसम बदलने के साथ स्किन से जुड़ी कई तरह की समस्या भी बढ़ जाती है। अक्सर लोग ड्राई स्किन की समस्या से काफी ज्यादा परेशान रहते हैं। मौसम में जैसे-जैसे नमी बढ़ती है शरीर में नमी की कमी होने लगती है। स्किन में नमी बनाए रखने के लिए लोग अक्सर कई सारे क्रीम का इस्तोल करते हैं। जिनकी स्किन काफी ज्यादा ड्राई हो रही है वैसे लोगों को अक्सर नहाते वक्त गर्म पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। ज्यादा गर्म पानी से नहाने से स्किन काफी ज्यादा ड्राई होती है। इसलिए गुनगुने पानी से नहाएं।

- खुद को हाइड्रेट रखें : हर दिन कम से कम आठ गिलास तरल पदार्थ पिएं, जिसमें चाय, दूध और कॉफ़ी शामिल हैं। विटामिन ए, सी और ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आहार लें।
- लगातार मॉइस्चराइज़ करें: अपनी त्वचा को धोने के तुरंत बाद मॉइस्चराइज़र लगाए। आप लोशन की जगह मलहम या क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- नारियल का तेल: इसमें संतृप्त वसा अम्ल होते हैं जो शुष्क त्वचा में मौजूद दरारों को भरने के लिए एक एमोलिएंट के रूप में काम करते हैं।
- शहद: इसमें सूजन-रोधी और रोगाणुरोधी गुण होते हैं।
- एलोवेरा: इसमें पॉलीसेकेराइड होते हैं जो त्वचा के विकास को प्रोत्साहित करने और शुष्क, चिड़चिड़ी त्वचा को ठीक करने में मदद कर सकते हैं।
- दलिया: नहाने में डालने या क्रीम में इस्तेमाल करने पर शुष्क त्वचा से राहत दिलाने में मदद कर सकता है।लंबे समय तक गर्म पानी से नहाने से आपकी त्वचा से तेल निकल सकता है। अपने नहाने के समय को 5-10 मिनट तक सीमित रखें और गर्म पानी का इस्तेमाल करें।
- ह्यूमिडिफ़ायर का इस्तेमाल करें: ह्यूमिडिफ़ायर आपके घर के अंदर की हवा में नमी जोड़ सकता है। नमी का स्तर 30ब से ऊपर रखें।
- दस्ताने पहनें: दस्ताने आपके हाथों को पर्यावरणीय कारकों से बचा सकते हैं जो आपकी त्वचा को शुष्क कर सकते हैं।
- कोमल त्वचा की देखभाल के लिए उत्पादों का उपयोग करें, जैसे कठोर, शुष्क करने वाले साबुन, डिओडोरेंट, जीवाणुरोधी डिटर्जेंट, सुगंध और अल्कोहल से बचें।

शोहरत के लिए मुझे कपड़े उतारने की जरूरत नहीं: दिव्या प्रभा

दिव्या प्रभा की फिल्म ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट की कहानी काफी ज्यादा प्रेरणादायक है। इस फिल्म में महिलाओं के जीवन और उनके संघर्षों के बारे में बताया है। वहीं फिल्म को ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार भी मिला है। इस फिल्म से दिव्या का एक वीडियो लीक हो गया था। जिसके बाद से ही एक्ट्रेस सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस वीडियो पर चुप्पी तोड़ी है।

एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में इस बारे में बात करते हुए कहा- ये बहुत पथेटिक है। हालांकि, जब मैंने रोल के लिए साइन अप किया था, तब भी मुझे केरल में लोगों के एक ग्रुप से ऐसे रिएक्शन की उम्मीद थी। हम एक ऐसी कम्युनिटी हैं जो योर्गोस लैंथिमोस जैसे फिल्म मेकर्स और यहां तक कि फिल्म में उनके काम के लिए ऑस्कर जीतने वाली एक्ट्रेस के लिए भी जश्न मनाते हैं। लेकिन हमें मलयाली महिलाओं का ऐसा रोल करना बर्दाश्त नहीं है।

उन्होंने आगे बताया- मुझे ये देखकर खुशी हुई कि ऐसे लोग थे, खासकर पुरुष, जिन्होंने इस हरकत का विरोध किया। इससे पता चलता है कि करंट जेनरेशन में बहुत उम्मीदें हैं। लीक हुए वीडियो को शेयर करने वालों में 10 पर्सेंट आबादी शामिल है और मैं उनकी मानसिकता को नहीं समझती। मलयाली भी केंद्रीय बोर्ड का हिस्सा थे, जिसने हमें मंजूरी दी थी।

इसके आगे एक्ट्रेस ने बताया - एक एक्टर होने के नाते मैं ऐसी स्क्रिप्ट करती हूं जिसके लिए मैं कंफर्टेबल हूं और मैं ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट में अपने किरदार को लेकर पूरी तरह कंफर्टेबल थी। कुछ लोगों ने मेरी आलोचना करते हुए कहा कि मैंने शोहरत के लिए ऐसा सीन किया है और मैं क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्मों का भी हिस्सा रही हूं। मुझे नहीं लगता है कि शोहरत के लिए मुझे कपड़े उतारने की जरूरत है।

एक्ट्रेस की फिल्म की बात करें तो उनकी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' में अनु का किरदार निभाया है। यह एक बागी किस्म का किरदार रहा। इस किरदार को पर्दे पर दिव्या प्रभा ने बखूबी निभाया है। उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए काफी तारीफ भी मिली। आगे भी वह अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार करने की ख्वाहिश रखती हैं। दिव्या प्रभा हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करती हुई दर्शकों को आगे नजर आएंगी।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा-2 को सेंसर बोर्ड ने दिया यू/ए सर्टिफिकेट

एक्टर ने जाहिर की खुशी

अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। जो 12 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के दर्शकों को फिल्म देखने के लिए परमिट करता है। बच्चों के लिए माता-पिता के मार्गदर्शन की सलाह दी गई है। यू/ए प्रमाणन से पता चलता है कि पुष्पा 2 में कुछ सीन हैं जो युवा दर्शकों के लिए उचित नहीं हो सकते हैं, लेकिन कुल मिलाकर, इसे माता-पिता की देखरेख में देखा जा सकता है।

सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट मिलने पर अल्लू अर्जुन ने नया पोस्टर शेयर करते हुए इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने कैप्शन लिखा, यू/ए इट इज। पुष्पा 2 ब्लॉकबस्टर पुष्पा: द राइज का सीक्वल है, जो 2021 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े थे साथ ही यह दर्शकों को भी काफी पसंद आई थी इसीलिए पुष्पा 2 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म सुकुमार द्वारा निर्देशित है और इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल प्ले कर रहे हैं वहीं रश्मिका उनके अपोजिट हैं।

मेकर्स पुष्पा 2 के लिए बड़े लेवल की तैयारी कर रहे हैं। पुष्पा 2 का ट्रेलर पटना के गांधी मैदान में 17 नवंबर को लॉन्च किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्रमोशन के लिए कई बड़े शहरों का टूर किया जा रहा है जिनमें पटना, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, बैंग्लोर और कोच्चि शामिल हैं। इसकी शुरुआत 17 नवंबर को पटना से हो गई है। फिल्म 5 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अहम रोल में हैं।

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर का नया गाना जाना हैरान सा जारी

कियारा आडवानी के अप्सरा लुक ने मचाया सोशल मीडिया पर गदर

अभिनेता राम चरण पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ बनी है। विनय विद्या राम के बाद यह कियारा और राम चरण के बीच दूसरा सहयोग है।अब निर्माताओं ने गेम चेंजर का नया गाना जाना हैरान सा जारी कर दिया है, जिसे श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल सरस्वतीपुत्र रामजोगय्या शास्त्री ने लिखे हैं।

जाना हैरान सा गाने में कियारा को अप्सरा के रुप में दिखाया गया है जिसे देखकर फैंस थोड़े हैरान हुए और सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए. कई लोगों को उनका यह अलग लुक अच्छा लगा वहीं कई लोगों को यह पसंद नहीं आया. इसीलिए सोशल मीडिया पर कियारा के इस लुक को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है. हालांक गाना आज रिलीज होने वाला है जिसके बाद दर्शकों का रिएक्शन देखना दिलचस्प होगा. तब तक फैंस इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या कियारा आडवाणी का लुक सच में अजीब है या उनको इस अलग अवतार में देखकर सब चौंक गए हैं. राम चरण के साथ कियारा की यह दूसरी तेलुगु फिल्म होगी, पहली विनय विद्या राम (2019) थी. गेम चेंजर के निर्देशन की कमान शंकर ने संभाली है। फिल्म की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है।गेम चेंजर एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें राम चरण और कियारा के अलावा अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

नवजात बच्चे के लिए बेहद जरूरी है धूप

जान लें सही टाइम और खतरे

हमारे यहां दादी-नानी के जमाने से ही बच्चों को धूप दिखाने की आदत रही है। नवजात बच्चे के लिए सर्दियों की धूप बेहद फायदेमंद मानी जाती है। गुनगुनी धूप से बच्चे के शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। हालांकि, कई महिलाएं अपने बच्चे को धूप में ले जाने से बचती हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनकी तबीयत बिगड़ सकती है। अगर आपको भी ऐसा ही लगता है तो यहां जानिए बच्चे को धूप में ले जाने का सही टाइम, इसके फायदे और साइड इफेक्ट्स।

नवजात बच्चों को सर्दियों में धूप जरूर दिखानी चाहिए। शरीर में धूप लगने से कई तरह के इंफेक्शन और बीमारियां से बच्चे बचते हैं। धूप की गर्मी से शरीर में गर्माहट आती है, जिससे बच्चा एनर्जेटिक बना रहता है। ठंड के मौसम में बच्चे को सुबह 9 से 11 बजे तक धूप में ले जा सकते हैं। उनके लिए 15 से 30 मिनट की धूप काफी है। इससे ज्यादा धूप में बच्चो को न रखें। दोपहर के वक्त बच्चे को धूप में ले जाने से बचें।

नवजात बच्चे के लिए धूप कितना जरूरी

■ हड्डियों को मिलती है मजबूती

नवजात शिशु को थोड़ी देर धूप में ले जाने से उनकी हड्डियां मजबूत बनती हैं। उन्हें अच्छी तरह विटामिन डी मिलता है, जो शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। समय से पहले जन्मे बच्चों में विटामिन डी की कमी होती है, ऐसे में थोड़ी देर धूप उनके लिए अच्छी हो सकती है।

■ बच्चे का दिमाग बढ़ता है

सर्दियों की धूप दिलाने से नवजात बच्चों के दिमाग की ग्रोथ अच्छी तरह होती है। इससे दिमाग में सेरोटोनर्जिक की एक्टिविटी बढ़ती है। सेरोटोनिन हार्मोन मूड को कंट्रोल करने का काम करता है। धूप में बच्चे का सेरोटोनिन सही बना रहता है।

■ जॉन्डिस से बच्चे बचेंगे

बच्चे को धूप में ले जाने से जॉन्डिस यानी पीलिया का खतरा कम हो सकता है। कई अध्ययन में बताया गया है कि धूप बिलरूबिन तोड़ने में मदद मिलती है। इससे त्वचा पीली पड़ जाती है। बच्चे को कुछ समय के लिए धूप में ले जाने से इस बीमारी को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि अगर बच्चा बीमार है तो डॉक्टर की सलाह पर ही धूप ले जाएं।

सर्दियों में बच्चों को धूप कैसे दिखाएं

- बच्चे की त्वचा नाजुक होती है, इसलिए ध्यान रखें धूप से उनकी त्वचा लाल न हो।
- धूप में डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करवाएं।
- धूप में ले जाने से पहले बच्चे को कैप बनाएं ताकि उनकी आंखों और चेहरे पर धूप सीधे न पड़े।
- बच्चे को धूप में ले जाने से पहले उन्हें आरामदायक कपड़े पहनाएं ताकि सीधी धूप से उनकी त्वचा बचे।
- अगर धूप में तेज हवा चल रही है तो बच्चे को बाहर न लेकर जाएं।

बच्चे के लिए धूप के साइड इफेक्ट्स

- ज्यादा धूप की वजह से बच्चे में स्किन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसकी वजह से सनबर्न, स्किन इंफेक्शन या स्किन काला पड़ जाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- ज्यादा धूप से बच्चे को आंखों से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 सर्वेक्षण

उप मुख्यमंत्री अरुण साव का निर्देशः दस्तावेजों की पूर्ति के लिए हितगाहियों को दे और समय

हर हाल में पहुंचाएं अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक योजना का लाभ : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लिए वर्तमान में जारी सर्वेक्षण के दौरान ऐसे पात्र नागरिकों जिनके पास आवश्यक दस्तावेज नहीं है, उनके आवेदन तत्काल निरस्त नहीं करते हुए उन्हें दस्तावेजों के लिए समय प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगरीय निकायों को हितग्राहियों के जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र जैसे अनिवार्य दस्तावेजों के लिए संबंधित राजस्व कार्यालय से व्यक्तिगत समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव के निर्देश पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के हितग्राहियों के राजस्व कार्यालयों में लंबित जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के लिए राजस्व विभाग को पत्र प्रेषित किया है।

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी क्षेत्रों में 'सबके लिए आवास' मिशन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) का क्रियान्वयन 1 सितम्बर 2024 से किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में योजना को सभी नगरीय निकायों में लागू करते हुए भारत सरकार के यूनिफाइड वेब पोर्टल पर हितग्राही सर्वेक्षण कार्य (रैपिड असेसमेंट सर्वे) 15 नवम्बर से प्रारंभ कर दिया गया है। सर्वेक्षण के दौरान हितग्राहियों की जानकारी भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज की जा रही है। इसके लिए हितग्राही परिवार का आधार कार्ड, बैंक खाता, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, भूमि के दस्तावेज इत्यादि की प्रविष्टि भारत सरकार द्वारा अनिवार्य की गई है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव को कुछ हितग्राहियों के माध्यम से यह पता चलने पर कि वांछित दस्तावेजों में से मुख्यतः राजस्व संबंधी दस्तावेजों की कमी के कारण पोर्टल पर हितग्राहियों की जानकारी दर्ज नहीं हो पा रही है, श्री साव ने हितग्राहियों की असुविधा को देखते हुए और योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा परिवारों तक पहुंचाने के लिए सहानुभूतिपूर्वक कार्यवाही करते हुए सभी नगरीय निकायों को तत्काल निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी नगरीय निकायों में योजना के अन्तर्गत प्रक्रियाधीन हितग्राही सर्वेक्षण कार्य (रैपिड असेसमेंट सर्वे) में प्राप्त हो रहे आवेदनों में अनिवार्य दस्तावेजों की कमी के कारण आवेदनों को तत्काल निरस्त न करते हुए संबंधित हितग्राहियों को दस्तावेजों की पूर्ति के लिए यथोचित समयावधि प्रदान करने को कहा है, जिससे अधिकतम हितग्राहियों को योजना का लाभ प्रदान किया जा सके। श्री साव ने हितग्राहियों के जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र जैसे अनिवार्य दस्तावेजों के लिए संबंधित राजस्व कार्यालय से व्यक्तिगत समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश नगरीय निकायों को दिए हैं, जिससे कि संभावित हितग्राहियों को दस्तावेज प्राप्त करने में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा सके।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 का लाभ हर हाल में अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

गांव कठिया की नागेश्वरी जो कभी थी हाउस वाईफ, अब है लखपति दीदी भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी आम गृहिणी थी नागेश्वरी, लेकिन आज है लखपति दीदी। ग्राम कठिया की रहने वाली श्रीमती नागेश्वरी वर्मा आज से 5 साल पहले सामान्य गृहिणी थी। जो घर के चूल्हा-चौके तक ही सीमित थी, लेकिन आज वह अपने पैरों पर खड़ी और घर गृहस्थी संभालने के साथ ही सालाना डेढ़ से दो लाख रूपये कमा रही है वह भी मुर्गीपालन जैसे व्यवसाय से।

नागेश्वरी के बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहें है और वह अपने दम पर एक हजार मुर्गियों को पालने की तैयारी भी कर रही है। आज नागेश्वरी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का बार बार धन्यवाद देते हुए कह रही है कि आज जो भी कुछ हूं उन्ही के बदौलत हूं। मुझ जैसी अन्य महिलाएं भी इस योजना से आत्मनिर्भर हुई हैं।

श्रीमती वर्मा बताती हैं कि कुछ वर्ष पहले बिहान के सहयोग से करीब डेढ़ लाख रूपए लोन प्राप्त की। इसके बाद मुर्गीपालन का व्यवसाय शुरू की। मनरेगा से उन्हें मुर्गी शेड की सहायता मिली। शुरूआत में कम संख्या में मुर्गीपालन किया फिर धीरे-धीरे मुनाफा देखते हुए आज 500 मुर्गियों तक पहुंच गई। इन मुर्गियों को आस-पास के बड़े पोल्ट्री फार्म वालों को बेंचना शुरू किया था, अब वो खुद आकर ले कर जाते है। श्रीमती वर्मा बताती है कि मुर्गीपालन व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलने की विगत पांच वर्षों में अच्छी आय होने पर नया घर बनाया, दुपहिया वाहन खरीदी अब अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूं, बेटा बीबीए कर रहा है और बेटी की अच्छी करियर का भी प्लान कर रही हूं। इस प्रकार उनके घर में मां लक्ष्मी के साथ-साथ मां सरस्वती की कृपा भी बनी हुई है।

'सुप्रजा 'योजना से 202 ग्रामों की 1277 गर्भिणी महिलाएं हो रही लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रम सुप्रजा, धमतरी ज़िले में गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भस्थ शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए शुरू की गई एक योजना है. इस योजना का मकसद है कि गर्भवती महिलाएं स्वस्थ रहें और उनका बच्चा निरोगी पैदा हो. इस योजना के तहत, गर्भवती महिलाओं को आयुर्वेदिक दवाएं, योग, मेडिटेशन, पौष्टिक आहार और गतिविधियां दी जाती हैं।

जिले में अब तक 202 ग्रामों में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें 1277 गर्भवती महिलाएं योजनान्तर्गत पंजीकृत हैं। वनांचल नगरी विकासखण्ड के गट्टासिल्ली की श्रीमती शारदा निषाद की प्रथम होने वाली संतान को द्रुतक्र (गर्भ में पल रहे बच्चे का विकास सामान्य दर से न हो पाना) था, उनके द्वारा सुप्रजा कार्यक्रम के अंतर्गत बताए गए मासानुमासिक विहार, गर्भावस्थाक औषधि का प्रयोग, योग तथा मंत्र श्रवण किया गया। नतीजन उनका प्रसव बिल्कुल नॉर्मल तथा बच्चों का वजन 3.5 ग्राम रहा। इसी तरह श्रीमती प्रियंका मरकाम को गर्भावस्था के दौरान बार-बार खून की कमी होती थी, सुप्रजा कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे गर्भावस्था के दौरान उन्होंने गर्भ संस्कार कार्यक्रम अपनाया तथा धात्री लोगों का सेवन साथ में किया उनका हीमोग्लोबिन पूरे गर्भावस्था के दौरान 11 से ऊपर था तथा उनके द्वारा स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया गया। भारत सरकार, आयुष मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत वर्ष 2023-24 से राष्ट्रीय कार्यक्रम सुप्रजा सचालित किया जा रहा है।

कोटरा बूदेंली : जल जीवन मिशन की सफलता से बना हर घर जल का प्रतीक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम के ग्राम कोटरा बुंदेली अब पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा स्रोत बन गया है। यह प्रधानमंत्री मोदी के हर घर जल और मुख्यमंत्री साय के समृद्ध छत्तीसगढ़ के दृष्टिकोण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह सफलता दिखाती है कि सही योजना और सामुदायिक प्रयासों से हर गाँव आत्मनिर्भर और खुशहाल बन सकता है।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड के छोटे से गाँव कोटरा बुंदेली ने जल जीवन मिशन के तहत एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हर घर जल, हर दिल खुशहाल दृष्टिकोण और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व में यह गाँव जल समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है। 141 परिवारों वाले इस गाँव को 27 नवंबर 2024 को हर घर जल ग्राम घोषित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल जीवन मिशन के माध्यम से हर ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने का सपना देखा था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे छत्तीसगढ़ में प्रभावी रूप से लागू किया। कोटरा बुंदेली इस योजना की सफलता का सजीव उदाहरण है, जहाँ सरकार और समुदाय के सामूहिक प्रयासों से ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है।

63.80 लाख की योजना ने गाँव को बनाया आत्मनिर्भर

जल जीवन मिशन के अंतर्गत 63.80 लाख रुपए की लागत से 40 किलोलीटर क्षमता वाले जलाशय का निर्माण किया गया। अब गाँव में हर घर तक पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ और सुरक्षित पानी पहुँच रहा है। इस सुविधा ने ग्रामीणों को जल संकट से मुक्त किया और उनके जीवन को सरल व स्वस्थ बनाया।

महिलाओं और बच्चों के जीवन में आया सुधार

पहले गाँव की महिलाएँ और बच्चे दूर जल स्रोतों से पानी लाने को मजबूर थे। अब घर पर पानी उपलब्ध होने से महिलाओं को घरेलू काम, बच्चों की पढ़ाई और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में समय देने का अवसर मिला है। यह योजना महिला सशक्तिकरण का भी प्रतीक बनी है।

स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति में सुधार

गाँव में स्वच्छ पानी उपलब्ध होने से जलजनित बीमारियाँ कम हुई हैं और चिकित्सा खर्चों में गिरावट आई है। बच्चे अब अधिक समय पढ़ाई और खेलकूद में लगा पा रहे हैं। साथ ही, ग्रामीण रोजगार और अन्य आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति ग्रामवासियों का आभार: ग्रामसभा में सरपंच और ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। ग्राम की महिला सुमित्रा बाई ने कहा, पहले हमें पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। अब यह सुविधा हमारे घर तक पहुँच गई है। हम प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के आभारी हैं। पानी संरक्षण की दिशा में नए कदमग्रामसभा में जल संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए निर्णय लिया गया। पानी की बर्बादी रोकने और जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया गया ताकि इस योजना की सफलता को लंबे समय तक बरकरार रखा जा सके।

पानी को बनाया नहीं जा सकता, केवल बचाया जा सकता हैः उमा शंकर पांडे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में सतत आवास और कृषि क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के क्रियान्वयन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एयर कंडीशनर तापमान विनियमन पर पोस्टर और जलवायु परिवर्तन से संबंधित 100 सफलता कहानियों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

कार्यशाला में पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जल संकट आज विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। उन्होंने यह बात दोहराई कि पानी बनाया नहीं जा सकता, केवल बचाया जा सकता है। उन्होंने सभी से जल बचाने की अपील की और इस दिशा में ठोस व सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

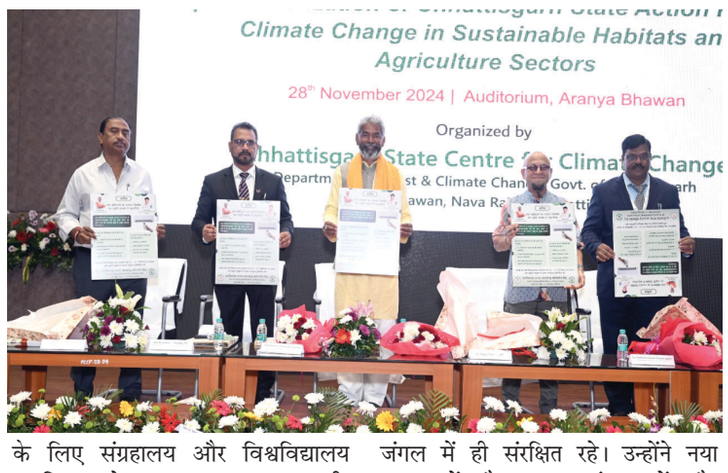

उन्होंने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए संग्रहालय और विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही, उन्होंने यह सुझाव दिया कि छात्रों को पानी बचाने के उपायों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाए और पानी की पाठशाला जैसी पहल शुरू की जाए, ताकि जल के महत्व और उसके संरक्षण की तकनीकों को लोगों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी पद्धतियां अपनाई जानी चाहिए, जिनसे घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और जंगल का पानी जंगल में ही संरक्षित रहे। उन्होंने नया रायपुर में मौजूद जल संरचनाओं और जलाशयों की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और नदियों को स्वच्छ रखने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को कम करने के लिए समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस दिशा में प्लास्टिक का उपयोग न करने और आम जनता के बीच जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी), हरित भवन (ग्रीन बिल्डिंग), और हरित इस्पात (ग्रीन स्टील) जैसे नवाचारी उपायों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समुदाय के प्रत्येक सदस्य को अपनी भूमिका समझनी होगी और पर्यावरण अनुकूल आदतें विकसित करनी होंगी। साथ ही, उन्होंने जोर दिया कि जागरूकता अभियानों और स्थानीय स्तर पर प्रयासों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पांडे ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सतत आवास और कृषि क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन से जुड़े प्रभावी समाधान खोजने के साथ-साथ के तहत बनाई गई रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा करना है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र (छ्त्तस्ष्टष्टष्ट) राज्य की जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं को सुलझाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और वन मंत्री के नेतृत्व में तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख के मार्गदर्शन में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया जा रहा है।

कार्यशाला में आबकारी विभाग की सचिव एवं आयुक्त आर. संगीता, आईआईटी मुंबई के क्लाइमेट स्टडीज विभाग के प्रोफेसर डॉ. रघु मर्तुगुडे, तमिलनाडु WTC के पूर्व निदेशक डॉ. पन्नीरसेल्वम, रायपुर नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा, बेंगलुरु के वास्तुकार डॉ. सुजीत कुमार, अंबिकापुर नगर निगम के स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी रितेश सैनी और नर्मदा नैचुरल फार्म्स के संस्थापक संकल्प शर्मा सहित अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। इन विशेषज्ञों ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपने विचार और अनुभव साझा किए।

प्रधानमंत्री आवास योजना पक्का आवास बनने से मौसमी परेशानियों से मिलेगी निजात

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। प्रधानमंत्री आवास योजना से जिले के गरीब परिवारों का पक्के आवास का सपना मूर्तरूप ले रहा है। जीवन में प्रत्येक व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना पक्का घर हो, जिसमें वह अपने परिवार को स्थायी रूप से सुरक्षा दे सके और पृथक रसोई कक्ष, शयन कक्ष, शौचालय की सुविधा के साथ सुखमय जीवन व्यतीत कर सकें।

ऐसे में गरीबों के लिए पक्का घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हो रहा है। माओवाद प्रभावित एवं दुर्गम सुदूर क्षेत्र कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम कन्दाड़ी निवासी श्री मेशिया पद्दा भी उनमें से एक हैं जिन्होंने अपने सपने को जीवंत करने का हौसला रखते हैं। उनके इस सपने को आकर देने का काम कर रही है प्रधानमंत्री आवास योजना। श्री पद्दा ने बताया कि उनका परिवार सालों से कच्चे मकान में निवासरत है, जिसके चलते हर मौसम में अलग-अलग तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में कच्चे, खदरनुमा एवं खपरैल का घर होने के कारण जगह-जगह पानी टपकना, जमीन में सीलन आना, सांप बिच्छू का डर सताते रहता है। वहीं सर्दी के मौसम में शीत और ठण्ड बढ़ जाने से तबीयत बिगड़ने का भय बना रहता है। कच्चे घर वन्य जीवों व कीड़े-मकोड़ों के प्रवेश करना भी आम बात है। श्री पद्दा ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् अब पक्का मकान बनने के बाद इन सभी परेशानियों से निजात मिलेगी।

गोमती को मिला भविष्य गढ़ने का पुख्ता जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना से महिलाओं और उनके परिवार के जीवन में अनेक सकारात्मक परिवर्तन सामने आ रहे हैं। किसी को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता मिली तो कोई योजना से मिली राशि की बचत कर अपना भविष्य संवारने में लगी हैं। जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड मुख्यालय में निवासरत श्रीमती गोमती जुर्री को भी इस योजना से मिली राशि को बचत करने का एक पुख्ता जरिया मिल गया है। बसंत नगर की श्रीमती जुर्री ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत अब तक उन्हें एक हजार रुपए के मान से 09 किश्तें मिल चुकी हैं। इस तरह उनके बैंक खाते में 09 हजार रुपए जमा हो चुके हैं। पूछने पर उन्होंने बताया कि इस पैसे का उपयोग आने वाले समय में करेंगी। फिलहाल वह योजना से मिली राशि को जमा करके इकट्ठा कर रही हैं, जिससे भविष्य को संवारने में बड़ी मदद मिल सकेगी। श्रीमती जुर्री ने बताया कि वह एक शिक्षक दंपति के घर आया का काम करती हैं और महतारी वंदन योजना से हर माह मिल रही राशि को भविष्य में किसी बड़े काम में खर्च करेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए इस महत्वाकांक्षी योजना को लागू करने पर साधुवाद दिया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

13 नक्सली गिरफ्तार, विस्फोटक नक्सली साहित्य व सामाग्री बरामद

बीजापुर। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से सुरक्षाबल के जवानों ने दो लाख के इनामी जगरगुंडा एरिया कमेटी सदस्य सहित तेरह नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से नक्सली साहित्य, विस्फोटक व प्रचार प्रसार की सामाग्री बरामद की गई है।

जानकारी के मुताबिक, जिले में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत तर्रेम थाना क्षेत्र के बुड़गीचेरु के जंगल से एसटीएफ, जिला बल व कोबरा की संयुक्त पार्टी ने तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो लाख के इनामी जगरगुंडा एरिया कमेटी पार्टी सदस्य कोसा पुनेम उर्फ हड़मा पुत्र बुधरु पुनेम (40) निवासी स्कूल पारा चिपुरभट्टी थाना बासागुड़ा, मिलिशिया सदस्य मड़कम हुंगा पिता हिड़मा निवासी बुड़गीचेरु थाना तर्रेम व मिलिशिया सदस्य लक्ष्मण तेलम पिता कोवा तेलम निवासी चिपुरभट्टी थाना बासागुड़ा शामिल है। इनके कब्जे से पांच किलो का टिफिन बम मय फ्यूज, कॉर्डेक्स वायर बरामद किया गया है। वही आवापल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुतकेल व चाटलापल्ली की ओर जिलाबल, सीआरपीएफ व कोबरा की संयुक्त टीम सर्चिंग पर निकली थी।

अभियान के दौरान पुतकेल के जंगल में संदिग्ध व्यक्ति नजर आये जो पुलिस को देखकर छुपते हुए भागने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस द्वारा घेराबंदी कर 5 संदिग्धों को पकड़ा गया। पकड़े गए संदिग्धों में जन मिलिशिया सदस्य मोडियम जोगा पिता भीमा उम्र 22 निवासी ग्राम छुटवाई चिटेमपारा थाना तर्रेम, जनमिलिशिया सदस्य मड़कम जोगी पिता बुदरा उम्र 19 निवासी नयापारा ग्राम पूर्वती थाना जगरगुंडा जिला सुकमा, जनमिलिशिया सदस्य नंदा माड़वी पिता देवा उम्र 25 निवासी मझारपारा छुटवाई थाना तर्रेम, जनमिलिशिया सदस्य मोडामी हड़मा पिता स्व. जोगा उम्र 22 निवासी थाना तर्रेम व जनमिलिशिया सदस्य चापा कृष्णराव पिता बाबू चापा उम्र 34 निवासी पंगलवाया जिनिप्पा थाना इलमिडी शामिल है। इनके कब्जे से टिफिन बम, एक्साइड बैटरी, कॉर्डेक्स वायर, इलेक्ट्रिक वायर मय फ्यूज नक्सली साहित्य बरामद किया गया है।

वही, जांगला थाना क्षेत्र मल्लूपारा के रास्ते से डीआरजी व जांगला थाना की संयुक्त पार्टी ने पांच जन मिलिशिया सदस्यों को पकड़ा है। इनमें चैतू राम वेको, पिता सुको वेको उर्फ सौक्को उम्र 29 निवासी बड़े फुल्लोड थाना जांगला, सुखराम पोयाम पिता भुरसु राम पोयाम उम्र 26 निवासी डोसलापारा जैगुर थाना जांगला, सुखराम बेंजामी पिता पंडरु बेंजामी उम्र 25 निवासी डोसलपारा थाना जांगला, सुखराम कवासी पिता बोमड़ा कवासी उम्र 29 निवासी डोसला पारा थाना जांगला, व लक्ष्मण बेंजामी पिता मुगडू उर्फ मुंडा राम बेंजामी उम्र 21 निवासी कॉन्ड्रोजी मांझी पारा थाना जांगला शामिल है। इनके कब्जे से विस्फोटक, प्रचार प्रसार की सामग्री बरामद की गई है। पकड़े गए नक्सलियों के विरुद्ध तर्रेम, आवापल्ली व जांगला थाना में वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायिक रिमांड पर न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया है।

भिलाई में ट्राई, सीबीआई व ईडी का अफसर बताकर डराया और ठग लिए 49 लाख

भिलाई नगर थाना क्षेत्र का मामला, महाराष्ट्र के सांभाजी नगर से गिरफ्तार हुआ आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाना क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रुआबांधा निवासी एक शख्स को ट्राई, सीबीआई, ईडी का अधिकारी बताकर पहले डराया गया। इसके बाद गिरफ्तारी का डर दिखाते हुए बचने के लिए 49 लाख रुपए खाते में ट्रांसफर करा लिए। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस व एसीसीयू की संयुक्त टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद महाराष्ट्र के संभाजी नगर से आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने शुक्रवार शाम को इस मामले का खुलासा किया।

दरअसल इस मामले में 16 नवंबर को पीड़ित इंद्र प्रकाश कश्यप, निवासी रूआबांधा ने भिलाई नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें अज्ञात नंबरों से वाट्सएप कॉल और मैसेज के जरिए ट्राई, सीबीआई और ईडी के अधिकारी बनकर संपर्क किया गया। अलग अलग नंबरों से कॉल कर सुप्रीम कोर्ट का गिरफ्तारी वारंट व अन्य नोटिस भेजकर डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाया। गिरफ्तारी से बचने के लिए 49 लाख रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करा लिए। शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में धारा 318 (4) बीएनएस व 66 डी आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

बैंक व कॉल डिटेल से पहुंची आरोपी तक

विवेचना के दौरान प्राथी से संपर्क स्थापित कर पुलिस की टीम ने घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी ली। घटना अवधि के दौरान प्रार्थी के मोबाइल पर आने वाले वाट्सएप नम्बरों एवं बैंक एकाउण्ट के संबंध में जानकारी एकत्रित किया गया। सूक्ष्मता से विश्लेषण मोबाइल नम्बरों के कॉल डिटेल प्राप्त किये गये। ठगी में उपयोग किये बैंक के खाते का स्टेटमेंट प्राप्त किया गया, जिनका सूक्ष्मता से विश्लेषण करने पर यह जानकारी मिली कि घटना करने वाले आरोपी संभाजी नगर महाराष्ट्र के आईसीआईसीआई बैंक के एक खाते का उपयोग किया गया था। इस संबंध में खाता धारक की विस्तृत जानकारी व मोबाइल नम्बर बैंक के माध्यम से प्राप्त कर एक टीम को महाराष्ट्र रवाना किया गया।

आरोपी को उसके गृहग्राम से गिरफ्तार

महाराष्ट्र पहुंचने के बाद टीम द्वारा सांभाजी नगर में आईसीआईसीआई बैंक के आरोपी के द्वारा उपयोगय में लाये गये खाते में उल्लेखित वैष्णवी ऑटो स्पेयर, दिशा कॉमशियल काम्प्लेक्स बजाज नगर में जाकर पता किया गया। उक्त कंपनी 04-05 वर्ष पूर्व संचालित होना, वर्तमान में वहां नहीं होना पाया गया। इसके बाद टीम के द्वारा प्रोपराईटर बापू श्रीधर भराड़ के निवास अक्षय तृतीया अपार्टमेंट बजाज नगर पहुंची तो वह वहां भी नहीं था। अंततः टीम बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल फोन के आधार पर खाता धारक बापू श्रीधर भराड़ उसके गृहग्राम राहेगांव सांभाजी नगर से गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में उसने डिजिटल अरेस्ट के द्वारा भिलाई के 49 लाख की ठगी करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस की टीम आरोपी बापू श्रीधर को भिलाई लेकर पहुंची और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

पुलिस की अपील डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधन नहीं

ठगी लगातार बढ़ रही घटनाओं व उसके शिकार होते लोगों को दुर्ग पुलिस द्वारा सचेत किया जा रहा है। दुर्ग पुलिस ने अपील करते हुए कहा है कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई भी कानूनी प्रावधान नहीं है। यदि अंजान मोबाइल फोन से ट्राई, सीबीआई, ईडी के अधिकारी बनकर, वाट्सएप एवं ई-मेल के माध्यम से आपको किसी भी प्रकार का कॉल, मैसेज, भ्रामक नोटिस भेजकर झांसें में लिया जाता है तो कभी भी अपनी व्यक्तिगत एवं बैकिंग संबंधित जानकारी साझा न करें। ऐसी स्थिति में तुरंत अपने परिजनों, परिचितों तथा पुलिस को सूचित करें। जिससे की उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो सके और धोखाधड़ी की घटना होने से बचा जा सके। अज्ञात मोबाईल नम्बरों व ई-मेल के माध्यम से वाट्सएप कॉल, मैसेज, भ्रामक नोटिस, यूआरएल लिंक आने पर धोखाधड़ी से बचने तुरंत https://cybercrime.gov.in/ के पोर्टल पर जाकर उसे ब्लॉक कराएं।

दो-दो किलो वजनी दो आईईडी किए बरामद

बीजापुर। नक्सल विरोधी अभियान पर निकले डीआरजी व बीडीएस की संयुक्त पार्टी ने दो किलो वजनी दो आईईडी को बरामद कर उसे निष्क्रिय कर दिया है। पुलिस ने बताया कि डीआरजी बीजापुर और बीडीएस की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर पोंजेर, काकेकोरमा व पेदाकोरमा की ओर निकली हुई थी। सर्चिंग से वापसी के दौरान डी माइनिंग के समय बीडीएस बीजापुर की टीम द्वारा दो-दो किलो के दो आईईडी बरामद किया गया, जिसे नक्सलियों के द्वारा बीयर की बोतल में लगाया गया था।

यह पहली बार है कि जब गंगालुर क्षेत्र में नक्सलियों के द्वारा बीयर की बोतल में कॉर्डेक्स सप्लाइन्टर का उपयोग कर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाया गया था। नक्सलियों के द्वारा बीयर बोतल को डायरेक्शनल बम की तरह पगडंडी कच्चे मार्ग पर सड़क के दोनों तरह लगाया गया था। नक्सलियों ने आईईडी को प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाया गया था। बीडीएस की टीम द्वारा उसे बरामद कर मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया।

चक्कर खाकर गिरने लगे बच्चे, 23 छात्र बीमार

बीजापुर। जिले में शुक्रवार की देर शाम बालक आश्रम शाला भोपालपटनम के 23 बच्चे अचानक बीमार पड़ गए, जिन्हें अधीक्षक नें अस्पताल मे भर्ती कराया है। अचानक एक साथ इतने बच्चों के बीमार पढ़ने से हड़कंप मच गया हैं। आश्रम में शाम को प्रार्थना करते समय अचानक से पांच-छह बच्चे चक्कर खाकर गिर पड़े। अधीक्षक ने तुरंत सभी बच्चों को अस्पताल लाकर भर्ती कराया। डॉक्टरो नें बच्चो का इलाज शुरू किया।

चाकू की नोक पर लूट : आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

जान से मारने की धमकी देकर मां से मंगवाए रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में चाकू की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चाकू और मोबाइल जब्त किया है। मामले एक आरोपी फरार हैं, पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मामले की जानकारी देते हुए एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि मामला बीते 25 नवंबर का है। खुर्सीपार निवासी उज्जवल जायसवाल ने लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि किशन, ढोल, माजिद खान और मिथलेश पाठक ने उसे 25 नवंबर की शाम नवीन कालेज मैदान खुर्सीपार में मिलने के लिये बुलाया था। वो जब वहां गया तो माजिद खान ने उससे 20 हजार रुपए मांगे।

उज्जवल ने पैसा ना होने की बात कही तो माजिद ने उसकी बाइक की चाबी खींच ली और बोला की पैसा देगा तभी चाबी देगा। जब उज्जवल नाराज हो गया और माजिद से चाबी वापस मांगा तो वहां खड़े माजिद के दोस्त ढोल, किशन और मिथलेश को मारना शुरू कर दिया। इसी दौरान एक साथी ने उसेक पीठ में चाकू मार दिया। इससे उज्जवल घायल हो गया। इसके बाद उन्होंने उसके गले में चाकू टिकाकर धमकी दी कि यदि वो नहीं देगा तो उसे जान से मार देंगे। इसके बाद चाकू की नोक पर उज्जवल से उसकी मां को फोन लगवाया और ढोल के क्यूआर कोड में 20 हजार रुपए मंगवाए।

जब आरोपियों को रुपए मिल गए तो उन्होंने उज्जवल को धमकी दी कि यदि उसने पुलिस में शिकायत की तो उसे वो लोग जान से मार देंगे। मामले की शिकायत मिलते ही खुर्सीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया। एसपी दुर्ग जितेंद्र शुक्ला के निर्देश पर एसीसीयू की टीम निर्देश दिया। इसके बाद पुलिस ने ढोल, किशन और मिथलेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले का मुख्य आरोपी माजिद अभी फरार है।

धारदार चापड़ से लोगों को डरा रहा था बदमाश, पुलिस ने भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक निगरानी बदमाश धारदार चापड़ से आने जाने वालों को डरा धमका रहा था। इस दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही वैशाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई का जेल भेज दिया गया।

बता दें दुर्ग में कटरबाजी एवं चाकुबाजी करने वालो के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए इन दिनों से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने चाकूबाजी व कटरबाजी करने वालों की सूचना देने पर 1000 रुपए इनाम देने की भी घोषणा की है। इसी कड़ी में 29 नवंबर को वैशाली नगर पुलिस को सूचना मिली कि राम नगर मुक्तिधाम के पास तालाब के सामने रोड पर आदित्य सिंह उर्फ टिड्डी धार दार चापड़ को दिखाकर आने जाने वाले राहगीरों को डरा धमका रहा है।

सूचना मिलने पर उप निरीक्षक अमीत कुमार अंदानी द्वारा तत्काल पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया। आदित्य सिंह उर्फ टिड्डी रोड पर आने जाने वाले लोगों को एक लोहे का धारदार चापड़ दिखाकर डराते हुए पकड़ा गया। उसके पास से एक लोहे का धार दार चापड़ बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट कायम कर उसे ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी थाना वैशाली नगर का गुण्डा बदमाश है जिसके विरूद्ध पूर्व में 07 अपराध पंजीबद्ध है। कार्यवाही में उप निरीक्षक अमित कुमार अंदानी, एएसआई मुरलीधर कश्यप, आरक्षक आसिफ आलम, विरेन्द्र यादव, कपिल चौधरी, रजनीकांत की भूमिका रही।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा0प्र0क0 202410101000001/अ-6/वर्ष 2024-25)

प्रति,
सरोज पति रामविलास
निवासी - भिलाई जिला दुर्ग
पक्षकार-पूर्णाचन्द्र प्रजापति आ. रामशरण प्रजापति
निवासी-जे.पी. नगर कैम्प 02 भिलाई (छ.ग.)

विरुद्ध

अनावेदक-छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202410101000001/अ-6/वर्ष 2024-25 आवेदक: पूर्णाचन्द्र प्रजापति पिता/पति/विभाग-रामशरण प्रजापति पता-भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कुरूद, प.ह.नं. 46 स्थित भूमि खसरा नं. 547/6 रकबा 0.010 हे. जिसे आवेदक ने क्रय कर भूमि का नामांतरण कराकर ऋण पुस्तिका प्राप्त कर लिया है। ऋण पुस्तिका में खसरा ण 547/22 है किंतु ऑनलाईन के खसरा, बी-1 में अपना दर्ज नहीं है का लेख करते हुए नाम दर्ज कर रिकार्ड अद्यतन किये जाने बाबत् आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेजों को संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।। प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है ।

अतः इस संबंध में आपको किसी प्रकार के. दावा करना हो तो स्वयं या आपके द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से पेशी दिनांक 06/12/2024 को दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/11/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

मासूम के हत्यारे को कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

दो बच्चों की मां से करता था एकतरफा प्यार, इसलिए कर दी बच्चे की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ढाई साल पहले चार साल के मासूम की हत्या करने वाले हैवान को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। घटना इंडस्ट्रियल एरिया उरला के का था। आरोपी मासूम बच्चे की मां से एकतरफा प्यार में पागल था। सनक के कारण वह महिला के दोनों बच्चों को मारने का प्लान बनाया। बड़ा बेटा तो बच गया लेकिन चार साल के बच्चे को उसने मार दिया। ढाई साल पुराने इस केस में अब कोर्ट ने आरोपी को मृत्युदंड दिया है।

बता दें आरोपी 38 वर्षीय पंचराम गेंड्रे ने ढाई साल पूर्व चार साल के मासूम हर्ष का अपहरण कर जिंदा जलाकर मार दिया। दरअसल आरोपी पंचराम अपनी मां के साथ उरला में रहता था। उसके पड़ोस में जयेंद्र चेतन का घर था। पंचराम का उसके घर आना-जाना था। इस दौरान जयेंद्र की पत्नी को वह चाहने लगा लेकिन महिला उससे बात नहीं करती थी। वह उसके बच्चों से नफरत करता था। महिला का प्यार पाने के लिए उसने दोनों बच्चों की हत्या करने की योजना बनाई। वह 5 अप्रैल 2022 को महिला के घर गया। उस समय उसका पति काम पर गया था। पंचराम हर्ष और दिव्यांश को घूमाने के बहाने अपने साथ ले गया।

दोनों भाइयों को वह करीब आधे घंटे तक उरला क्षेत्र में बाइक से घूमाते रहा। दोनों को नहाने के लिए नदी चलने के लिए कहा। इस पर दिव्यांश ने जाने से मना कर दिया और घर छोड़ने की बात कही। इस पर पंचराम दिव्यांश को घर छोड़कर दोबारा हर्ष को साथ लेकर चला गया। इसके बाद उसने हर्ष को जिंदा जला कर मार दिया। इस मामले में दंपत्ति की शिकायत पर आरोपी की तलाश शुरू हुई।सीसीटीवी कैमरे और मोबाइल लोकेशन पंचराम का पता लगा पता चला कि वह नागपुर में है। वहां छापा मारकर उसे पकड़ा गया। उसने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने हर्ष को जलाकर उसकी हत्या कर दी। घटना स्थल से हर्ष की बॉडी अवशेष मिले थे।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे कृत्य करने वाले समाज में रहने लायक नहीं है, इसलिए इन्हें मृत्यु दंड दिया जाता है। इसे केस में फोरेंसिक रिपोर्ट, तकनीकी जांच और डीएनए टेस्ट के बाद आरोपी के कबूलनामे के साथ उसे मौत की सजा सुनाई गई है। मामले में आठ साल के दिव्यांश का बयान सबसे बेहद कारगर रहा। डीएनए टेस्ट में सच साबित होते ही 19 लोग गवाह बनाए गए। दिव्यांश ही घटनाक्रम का प्रत्यक्षदर्शी था। उसने पूरी घटना के बारे में बताया। उसी के बयान पर कोर्ट ने आरोपी को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालोद (छ.ग.)

Har Ghar Jal Jal Jeevan Mission

निविदा क्र. 30 से 41/ले.शा./ज.जी.म/ का.अ. /लो.स्वा.यां.खण्ड/ 2024 बालोद, दिनांक : 26-11-2024

ई-प्राक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित कार्य के लिये कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद द्वारा के एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन की **सक्षम श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदारों से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण-बालोद जिले के वि.खं. गुण्डरदेही, बालोद, डौण्डीलोहारा तथा गुरूर के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत नलकूप खनन का कार्य।

	नि.सू. क्रं./सिस्टम नं	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	30/161737	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 10 नग।	रू. 12.30 लाख
2	31/161738	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 11 नग ।	रू. 13.53 लाख
3	32/161739	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 7 नग ।	रू. 10.22 लाख
4	33/161740	विकासखंड डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में 12 नग।	रू. 13.32 लाख
5	34/161741	विकासखंड डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में 9 नग ।	रू. 11.07 लाख
6	35/161742	विकासखंड बालोद के विभिन्न ग्रामों में 13 नग ।	रू. 14.43 लाख
7	36/161743	विकासखंड बालोद के विभिन्न ग्रामों में 13 नग।	रू. 15.99 लाख
8	37/161744	विकासखंड बालोद के विभिन्न ग्रामों में 12 नग ।	रू. 14.76 लाख
9	38/161745	विकासखंड बालोद के विभिन्न ग्रामों में 11 नग ।	रू. 13.53 लाख
10	39/161746	विकासखंड गुरूर के विभिन्न ग्रामों में 10 नग ।	रू. 12.30 लाख
11	40/161747	विकासखंड गुरूर के विभिन्न ग्रामों में 10 नग ।	रू. 12.30 लाख
12	41/161748	विकासखंड गुरूर के विभिन्न ग्रामों में 14 नग ।	रू. 15.54 लाख

1. बिड सबमिशन प्रारंभ की तिथि -28/11/2024
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि -16/12/2024

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 28/11/2024 से एवं कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखे जा सकते है ।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला-बालोद (छ0ग0)

G-242504198/4

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठकः सीएम साय बोले- दुर्घटनाओं को रोकने सड़क सुरक्षा का कड़ाई से हो पालन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में प्रदेश के सड़क सुरक्षा परिदृश्य, सड़क दुर्घटना के नियंत्रण के उपायों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए दुपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट के उपयोग तथा वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जनजागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया जाए। मुख्यमंत्री साय ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्य में तेजी लाने, जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों के इलाज के लिए निर्माणाधीन ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट्स का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराया गया ''बस संगवारी एप लांच किया और परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पर प्रकाशित पोस्टर का विमोचन किया।

स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल है सड़क सुरक्षा

बैठक में जानकारी दी गई कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के स्कूलों में कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक के राज्य शैक्षणिक अनुसंधान परिषद की पाठ्यपुस्तकों में सड़क यातायात नियमों से संबंधित अध्याय पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। बैठक में बताया गया कि यातायात व्यवस्था का इलेक्ट्रॉनिक सर्विलेंस रायपुर, बिलासपुर और नवा रायपुर में किया जा रहा है। भिलाई और दुर्ग में यह व्यवस्था आंशिक रूप से संचालित है। सितंबर 2023 से अक्टूबर 2024 तक 101 ब्लैक स्पॉट और 748 जंक्शन के सुधार कार्य पूर्ण किए गए हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने पर सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की संभावना 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है।

अधिकारियों ने दी कार्रवाई की जानकारी

अधिकारियों ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर परिवहन विभाग द्वारा 6 लाख 70 हजार से अधिक तथा पुलिस विभाग द्वारा 4 लाख 87 हजार से अधिक चालानी कार्यवाही की गई है। 01 जनवरी 2023 से 31 अक्टूबर 2024 तक 7826 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबित किया गया है। 8 दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों राजनांदगांव, धरसींवा अभनपुर, पाली, सिमगा, सुकमा, बेमेतरा और पत्थलगांव में ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। 14 हजार 261 वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस, 72 हजार से अधिक वाहनों में स्पीड गवर्नर तथा 2200 बसों में पेनिक बटन लगाए गए हैं। बैठक में ब्लैक स्पॉट की पहचान, सुधार की कार्यवाही, सड़कों में यातायात संकेतक, होर्डिंग्स हटाने, फुटपाथ, पार्किंग, सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने आदि कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, बसव राजू एस. और राहुल भगत, परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश, आबकारी सचिव आर. संगीता, एडीजी ट्रेफ्फिक प्रदीप गुप्ता, अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर उपस्थित थे। सभी संभागों के आयुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक वर्चुअली बैठक में शामिल हुए। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी के अध्यक्ष एवं एआईजी ट्रेफ्फिक संजय शर्मा ने बैठक में प्रेजेंटेशन दिया।

सरेंडर नक्सली व नक्सल पीड़ित परिवारों को मिलेंगे आवास सीएम साय की पहल पर केन्द्र ने दी 15000 आवासों की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत 15,000 आवासों की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले आत्मसमर्पित नक्सलियों और पीड़ित परिवारों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए यह पहल एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 15,000 आवास केवल मकान नहीं बल्कि उन परिवारों के लिए सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक हैं। हमारी सरकार इस योजना को पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ लागू करेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश के विकास और शांति स्थापना की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

बेहतर जीवन देने हमारी सरकार संकल्पित

सीएम साय ने कहा कि नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को बेहतर जीवन देने के लिए हमारी सरकार संकल्पबद्ध है। पीड़ित परिवारों को आवास मिल जाने से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह योजना सामाजिक समरसता और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगी।

इन परिवारों को करेंगे शामिल

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि इस योजना में विशेष रूप से उन परिवारों को शामिल किया जाएगा जिनका नाम सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011 और आवास प्लस 2018 की सूची में शामिल नहीं था। इन नामों को 6 दिसंबर 2024 तक आवास प्लस पोर्टल पर अपलोड करने की अनुमति केंद्र सरकार द्वारा दी गई है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास देने की स्वीकृति हेतु निवेदन किया था परिणामस्वरूप 15 हजार आवास की स्वीकृति भारत सरकार से दी गयी है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इस विशेष परियोजना के तहत पुलिस अधीक्षक जिले के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत को आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों की सूची प्रदान करेंगे। इसके बाद जिला पंचायत द्वारा इस सूची का सर्वेक्षण और सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन उपरांत कलेक्टर के माध्यम से लाभार्थियों के लिए भूमि का चिन्हांकन किया जाएगा। इसके आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना के दिशानिर्देशों के अनुरूप आवास निर्माण की प्रक्रिया आरंभ होगी।

छत्तीसगढ़ में अब यात्रियों को घर बैठे मिलेगा बस का टाइम टेबल, मुख्यमंत्री साय ने किया 'बस संगवारी एप' लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सुशासन की अवधारणा पर अमल करते हुए यात्रियों की यात्रा को सुगम और सरल बनाने के लिए 'बस संगवारी एप' लॉन्च किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बस संगवारी एप बस यात्रियों, विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों के यात्रियों के लिए काफी सुविधाजनक होगा। निकट भविष्य में इस एप के माध्यम से अंतर्राज्यीय बसों के परिवहन और बसों के रियल टाइम ट्रेकिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। अभी यात्रियों को बस की टाइमिंग पता करने के लिए बस स्टैण्ड या बस स्टॉप पर जाना पड़ता है।

लोगों की इस परेशानी का समाधान इस एप के जरिए मिल सकेगा। परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश ने बस संगवारी एप के संचालन के बारे में मुख्यमंत्री साय को विस्तार से जानकारी दी। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराए गए इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। इस एप के माध्यम से यात्रियों के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक होगा। इस एप में वर्तमान में 5 हजार से अधिक बसों को शामिल किया गया है, जो विभिन्न रूट में संचालित हैं। जल्द ही अंतर्राज्यीय बसों के संचालन की जानकारी भी इस एप के माध्यम से

मिल सकेगी। बसों में जीपीएस सिस्टम लगाया जा रहा है। बस संगवारी एप को जीपीएस के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिससे बसों की लाइव ट्रेकिंग भी की जा सकेगी।

बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, बसव राजू एस. और राहुल भगत, परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश, आबकारी सचिव आर. संगीता, एडीजी ट्रेफ्फिकप्रदीप गुप्ता, अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर उपस्थित थे। बैठक में सभी संभागों के आयुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक वर्चुअली शामिल हुए। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी के अध्यक्ष एवं एआईजी ट्रेफ्फिक संजय शर्मा ने बैठक में प्रेजेंटेशन दिया।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने 9 विशेषज्ञ चिकित्सकों व 10 चिकित्सा अधिकारियों के संविदा नियुक्ति आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने व स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी हेतु पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों व चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में 09 विशेषज्ञ चिकित्सकों (संविदा) के साथ बस्तर संभाग के शासकीय अस्पतालों में 10 चिकित्सा अधिकारियों (संविदा) की नियुक्ति की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा आज इन नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारियों और संविदा विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं। इन डॉक्टरों को संबंधित जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला चिकित्सालयों में पदस्थ किया गया है। नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारी व विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना से त्वरित इलाज में तेजी आएगी और चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञ चिकित्सकों (संविदा) के जारी आदेश में डॉ. रमन जोगी को जिला अस्पताल बिलासपुर, डॉ. योगेश कुमार शर्मा जिला अस्पताल दुर्ग, डॉ आकांक्षा गुप्ता जिला अस्पताल जांजगीर चांपा, डॉ नवनीत सिंह ठाकुर जिला अस्पताल कबीरधाम, डॉ. भावना चौरे जिला अस्पताल खैरागढ़-गंडई-छुईखदान, डॉ नीरज कुमार जिला अस्पताल मुंगेली, डॉ अनिल खापर्डे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिरमिरी, डॉ उमा खापर्डे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिरमिरी, डॉ राजभान प्रजापति जिला अस्पताल सूरजपुर में पदस्थापना की गई है। इसके साथ ही बस्तर संभाग हेतु चिकित्सा अधिकारी के जारी आदेश में डॉ आरूषि शर्मा, डॉ. अंकित सिंह राजपूत, डॉ कुनाल सिंह साहू हो बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में पदस्थ किया गया है।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा को दी विकास की नई दिशा, 55 लाख के कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर विधायक और वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने अधोसंरचना मद के अंतर्गत चार वार्डों के 55 लाख के पांच विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। वार्ड क्रमांक 21 बुधवारी के दशहरा मैदान में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में विधिवत पूजन कर शिलापट्टी का अनावरण किया।

मंत्री श्री देवांगन ने विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर, शहर के भविष्य को और सुदृढ़ बनाने की पहल की। इन कार्यों में सीसी रोड, नाली निर्माण, मंच जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं, जो कोरबा की बुनियादी सुविधाओं को और सशक्त बनाएंगे। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि अब विष्णुदेव सरकार में शहर के सभी 67 वार्डों में एक साथ कार्य डीएमएफशुरू हो चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि विष्णुदेव साय सरकार की प्राथमिकता हर नागरिक तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का मुख्य उद्देश्य विकास के कार्यों का लाभ शहर के हर नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि कोरबा को आधुनिक और सुसज्जित शहर बनाने की दिशा में यह सिर्फएक शुरुआत है। आने वाले समय में और भी बड़े प्रोजेक्ट्स शुरू किए जाएंगे, जिससे यहां के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और शहर की समृद्धि में वृद्धि होगी।

इन कार्यों का भूमिपूजन संपन्न

वार्ड क्रमांक 28 फेस 01 दशहरा मैदान के पास नवनिर्मित उद्यान तक नाली निर्माण कार्य लागत 20. 10 लाख,वार्ड क्रमांक 22 शिवाजी नगर में नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख,वार्ड क्रमांक 21 में रमेश किराना स्टोर के पास सांस्कृतिक मंच का निर्माण कार्य लागत 5 लाख ,वार्ड क्रमांक 21 में सीसी रोड निर्माण कार्य, लागतरू 10 लाख रुपए ,वार्ड क्रमांक 17 नया मानस नगर, व पुराने मानस नगर में विकास कार्य 10 लाख कार्य की आज भूमिपूजन संपन्न हुआ।

आयुर्वेद केवल ईलाज प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति बीमार नहीं पड़े, इसकी व्यवस्था हैः डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

हमर अस्पताल शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोतीपुर के उन्नयन कार्य का किया लोकार्पण

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज राजनांदगांव शहर के मोतीपुर में आयोजित जिला स्तरीय नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन एवं गुरू घासीदास भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने 75 लाख रूपए की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन एवं 10 लाख रूपए की लागत से गुरू घासीदास भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इसके साथ ही 37.17 लाख रूपए की लागत से बने हमर अस्पताल शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोतीपुर के उन्नयन कार्य का लोकार्पण किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आयुर्वेद में केवल ईलाज प्रक्रिया नहीं है, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति बीमार नहीं पड़े, इसकी व्यवस्था है। इसमें सभी प्रकार की दिनचर्या या ऋतुचर्या, योग, प्राणायाम भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं आयुर्वेद के चिकित्सक है और जनसेवा की शुरूआत चिकित्सक के रूप में की। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में आयुष विभाग का गठन किया और आज छोटे-छोटे स्थानों में इस प्रकार के शिविर लग रहे हैं। आयुर्वेद के तहत शत-प्रतिशत गारंटी के साथ बिना किसी रिएक्शन एवं एलर्जी के ईलाज होता है। विधानसभा अध्यक्ष श्री रमन सिंह ने कहा कि 25 लाख रूपए की लागत से मोतीपुर रेल्वे क्रांसिंग से लेकर मुक्तिधाम तक डामरीकरण, वार्ड नंबर 3 में मंगल भवन के लिए 25 लाख रूपए, बड़े तालाब के किनारे नाली निर्माण के लिए 15 लाख रूपए, सड़क किनारे पेवर ब्लॉक के लिए 11 लाख 50 हजार रूपए, फुलवारी पारा में नाली निर्माण के लिए 5 लाख रूपए, वार्ड नंबर 8 की गलियों में सीसीरोड निर्माण के लिए 15 लाख रूपए, मुक्तिधान में नाली निर्माण के लिए 38 लाख रूपए, मुक्तिधाम में बाउंड्री निर्माण के लिए 18 लाख रूपए और वार्ड नंबर 3 में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 7 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। पूर्व सांसद श्री मधुसूदन यादव ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950